शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 283 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

राष्ट्र प्रथम ही संघ का एकमात्र भाव : प्रधानमंत्री

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज मना रहा है अपना शताब्दी वर्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अक्टूबर को विजयादशमी के मौके पर आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. नई दिल्ली के डॉक्टर आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में हुए संघ के शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए पीएम मोदी ने विशेष रूप से तैयार किया गया स्मृति डाक टिकट और 100 रुपये का सिक्का जारी किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र प्रथम ही संघ का एकमात्र भाव है। स्वयंसेवक समाज को समृद्ध कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में संघ के स्वयंसेवक रहे विजय कुमार मल्होत्रा के निधन का उल्लेख करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और देशवासियों को नवरात्रि की बधाई दी. पीएम मोदी ने संघ के शताब्दी वर्ष का गवाह बनने को गौरव का पल बताया और कहा कि आज जो सिक्का जारी हुआ है, उस पर पहली बार भारत माता की तस्वीर अंकित हुई है। इस पर संघ का बोधवाक्य भी लिखा हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि संघ के स्वयंसेवक 26 जनवरी की परेड में भी शामिल हुए थे और आन-बान-शान के साथ कदमताल किया था. इसकी झलक भी डाक टिकट में है. पीएम मोदी ने कहा कि स्वयंसेवक जिस तरह राष्ट्र निर्माण के काम में जुटे हुए हैं, उसकी झलक भी टिकट में है. उन्होंने स्मारक सिक्कों और डाक टिकट के लिए देशवासियों को बधाई भी दी।

पीएम मोदी ने कहा कि संघ ने समाज के हर आयाम को छुआ है. संघ के स्वयंसेवक समाज को समृद्ध करने में जुटे हैं. उन्होंने कहा कि यह अविरल तप का फल है, यह राष्ट्र प्रवाह प्रबल है. पीएम ने कहा कि आदिवासी कल्याण से लेकर विविध क्षेत्रों में संघ के स्वयंसेवक काम कर रहे हैं. धाराएं बढ़ीं, लेकिन विचार एक ही है- राष्ट्र निर्माण. संघ ने राष्ट्र निर्माण के लिए व्यक्ति निर्माण की राह चुनी. इसके लिए शाखाएं शुरू हुईं।

उन्होंने कहा कि संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की वेदी हैं. इन शाखाओं में त्याग पनपता रहता है. पीएम ने कहा कि अहं से वयम तक की यात्रा शाखाओं में पूरी होती है. शाखा जैसी (शेष पृष्ठ-4 पर)

अमेरिका में 7 साल बाद फिर 'शटडाउन'

साढ़े सात लाख कर्मचारी बिना वेतन छुट्टी पर भेजे जाएंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन में अमेरिका एक बार फिर सरकारी शटडाउन की चपेट में आ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी को सीनेट में अस्थायी फंडिंग बिल पास कराने के लिए कम से कम 60 वोटों की जरूरत थी, लेकिन सिर्फ 55 वोट ही जुट पाए। यानी यह प्रस्ताव गिर गया। अब सरकार के पास जरूरी फंडिंग का विस्तार नहीं है और इसका सीधा मतलब है कि कई संघीय कामकाज रुक सकते हैं। अमेरिकी कानून के तहत जब तक (शेष पृष्ठ-4 पर)

अस्थियां विसर्जन के लिए जा रहे परिवार के 6 लोगों की मौत

खड़े ट्रक में जा घुसी तेज रफ्तार कार

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर तितावी थाना क्षेत्र में त्रिदेव होटल के सामने बुधवार सुबह करीब साढे छह बजे एक कार खड़े ट्रक में जा घुसी। कार सवार एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। परिवार के लोग करनाल से अस्थियां विसर्जित करने के लिए हरिद्वार जा रहे थे।

जानकारी के मुताबिक करनाल जिले के गांव फरीदपुर निवासी मोहिंदर की दस दिन पूर्व कैंसर के कारण मौत हो गई थी। उनकी अस्थियां विसर्जन के लिए परिवार के लोग हरिद्वार जा रहे थे। कार सवार परिवार के लोग जब पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर त्रिदेव होटल के सामने पहुंचे तो कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, (शेष पृष्ठ-4 पर)

5 अक्टूबर तक बंद रहेगा नोएडा प्राधिकरण

नोएडा (चेतना मंच)। यदि आप नोएडा प्राधिकरण में कोई काम कराने की सोच रहे हैं तो ठहरिये। आज से 5 अक्टूबर तक आपका कोई कामकाज नहीं हो पाएगा। अब आप सीधे सोमवार यानी 6 अक्टूबर को ही अपने काम करा सकेंगे।

आज से 5 अक्टूबर तक आजमनों के कामकाज नोएडा प्राधिकरण में नहीं हो सकेंगे। अब 6 अक्टूबर को ही आम लोगों के लिए नोएडा प्राधिकरण खुलेगा। प्राधिकरण के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आज रामनवमी तथा कल दशहरा के सार्वजनिक अवकाश के चलते नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर बंद रहेंगे। शुक्रवार यानी 3 अक्टूबरको नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक होगी। इसलिए प्राधिकरण का दफ्तर तो खुलेगा तथा सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे। लेकिन आमजनों का कामकाज नहीं हो सकेगा। शनिवार तथा रविवार को अमूमन नोएडा प्राधिकरण का कार्यालय बंद रहता है। अब सोमवार यानी 6 अक्टूबर को आमजनों के लिए नोएडा प्राधिकरण खुलेगा।

शाहबेरी की बहुमंजिला इमारत के फ्लैट में लगी आग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के शाहबेरी इलाके में स्थित वृंदावन गार्डन में एक बहुमंजिला इमारत में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग को नियंत्रित किया। स्थानीय लोगों और पुलिस की कार्रवाई के कारण सभी निवासी सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह आग बहुमंजिला इमारत के फ्लैट में लगी। फायर बिग्रेड के अधिकारियों ने बताया कि थाना बिसरख क्षेत्र के अंतर्गत मान अपार्टमेन्ट वृंदावन गार्डन, (शेष पृष्ठ-4 पर)

डिलीवरी बॉय का पार्सल बैग चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-26 के एक मकान की पहली मंजिल पर पार्सल देने गए अमेजॉन के डिलीवरी बॉय का पार्सल बैग चोरी हो गया। डिलीवरी बॉय का आरोप है कि स्कूटी पर रखे पार्सल बैग को किसी ने चोरी कर लिया। पीड़ित ने थाना सेक्टर-20 में अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-20 में रहने वाले अनुज राय ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अमेजॉन में डिलीवरी का काम करता है। 23 सितंबर की शाम को वह सेक्टर 26 में एक पार्सल देने के लिए गया था। वह अपनी स्कूटी पर पार्सल से भरा बैग छोड़कर पहली मंजिल पर डिलीवरी देने के लिए चला गया। कुछ देर बाद जब वह नीचे आया तो स्कूटी पर रखा हुआ उसका पार्सल का बैग गायब था। उसने अपने बैग की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। डिलीवरी बॉय के मुताबिक उसके बैग में कई पार्सल रखे हुए थे पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

घरेलू नौकर ने नकदी व जेवरात किए चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। घरेलू नौकरों पर विश्वास करना लोगों को खासा महंगा पड़ रहा है। आए दिन घरेलू नौकरों द्वारा चोरी की घटनाओं को अंजाम देने के मामले सामने आ रहे हैं ऐसा ही एक मामला ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में प्रकाश में आया है। यहां घरेलू नौकर ने घर में रखे 2 लाख रुपए व लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर लिए। पीड़ित ने इस संबंध में थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा की मिशन ट्विन सोसाइटी में रहने वाले राधा कृष्ण भारती ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ग्राम उतवारा जनपद अलीगढ़ निवासी सनी पुत्र विजयपाल सिंह पिछले काफी समय से उनके यहां घरेलू नौकर के रूप में कार्य कर रहा था। पिछले कुछ दिनों से उनका परिवार लखनऊ गया हुआ है। 30 सितंबर की सुबह वह भी अपने घर से ऑफिस के लिए चले गए। शाम के समय जब वह घर वापस लौटे तो उन्हें दरवाजा खुला व सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ मिला। घर से उनका घरेलू नौकर सनी भी गायब था। उन्होंने जब घर में रखी अलमारी को देखा तो (शेष पृष्ठ-4 पर)

ब्लॉक स्पॉट की संख्या घटाई जाए : डॉ. लोकेश एम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में आईईसी एक्टिविटी को लेकर प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने एक बैठक की। बैठक में एसीईओ कृष्णा करुणेश, ओएसडी महेंद्र प्रसाद, महाप्रबंधक एसपी सिंह, डीजीएम (सिविल) विजय रावल तथा ओएसडी इंदू प्रकाश आदि अधिकारी मौजूद रहे।

सीईओ ने नोएडा में बढ़ते ब्लैक स्पॉट की संख्या को घटाने के निर्देश दिए। ग्रामों में जन मानस को कूड़ा सड़क पर न फेंकने के लिए जन जागरुकता अभियान चलाने के लिए कहा गया। सेंट्रल वर्ज में कूड़ा जमा न हो व साफ-सफाई नियमित रुप से किए जाने निर्देशित किया गया। भिखारियों की बढ़ती जन संख्या सेक्टर-18, 51, अटूटा क्षेत्र से इनकी संख्या कम किए जाने और (शेष पृष्ठ-4 पर)

न्यू नोएडा के लिए तय होगी मुआवजा दर, अगले सप्ताह होगी बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। न्यू नोएडा के लिए 80 गांवों को अधिसूचित किया जा चुका है। यहां निर्माण के लिए प्राधिकरण से अनुमति लेनी होगी इसका नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। अब जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया की जाएगी। सवाल ये है कि यहां किसानों को किस दर से मुआवजा दिया जाए। इसके लिए डीएम के साथ नोएडा प्राधिकरण की एक बैठक होगी। इस बैठक में मुआवजा दर तय की जाएगी। बता दे यहां जमीन किसानों से आपसी सहमति के आधार

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

पर ली जाएगी। इसके लिए प्राधिकरण एक सलाहकार कंपनी का चयन भी कर चुका है।

प्राधिकरण ने बताया कि न्यू नोएडा में जमीन अधिग्रहण के लिए क्राइटेरिया तय होना बेहद जरुरी है। इसी के लिए डीएम के साथ बैठक होगी। मसलन इन गांवों की जेवर एयरपोर्ट से कितनी दूरी है। यहां जमीन की उपयोगिता क्या है। इसके अलावा कई ऐसे गांव है जो ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के नजदीक है। बुलंदशहर के गांवों का सर्किल रेट क्या है। इन सभी को मिलाकर एक निर्णय लिया जाएगा। इन बातों का ध्यान रखकर और हाल ही में नए शहर को बसाने में किसान हितों का ध्यान रखते हुए ही मुआवजा की दर तय की जाएगी।

मोबाइल चोरी की शिकायत पर सिर फोड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 में एक महिला ने अपने मकान मालिक वह उसके परिजनों के खिलाफ मोबाइल फोन चोरी कर यूपीआई से पैसे निकालने तथा मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि मोबाइल फोन चोरी होने की शिकायत करने पर उसके साथ मारपीट की गई जिससे उसका सिर फट गया। मूल रूप से मुंगेर बिहार निवासी सुमन देवी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में बरौला गांव में लोकेश के मकान में किराए पर रह रही है। 24 सितंबर की रात्रि को उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया। इस बात की जानकारी उसने मकान मालिक को दी तथा खुद भी फोन की तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इस दौरान (शेष पृष्ठ-4 पर)

पुण्यतिथि

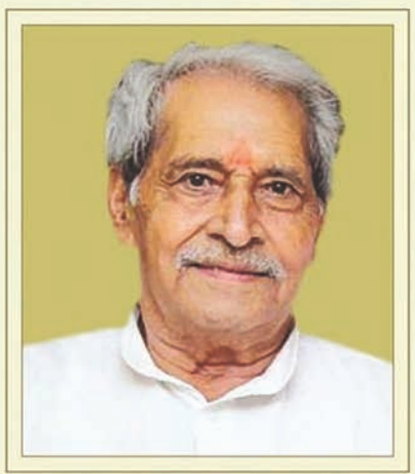

स्व. चौ. भीम सिंह नागर
संस्थापकः संगत ग्रीन पब्लिक इंटर कॉलेज

हमारे हृदय, मानस और यादों में
आप सदा प्रकाशपुंज की तरह दीप्तमान रहेंगे।
पुण्यतिथि पर आपको सभी परिवारजन एवं
शुभचिंतक

हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं

श्रद्धानवत
धर्मपत्नीः रेशम देवी
पुत्रवधु एवं सुपुत्र : मंजू - प्रताप नागर, शिप्रा - उदय नागर (एडवोकेट)
पौत्रः धनुष नागर, देवराज नागर पौत्रीः वंशिका नागर, रीतिशा नागर
एवं समस्त नागर परिवार

शारदीय नवरात्र

नवम सिद्धिदात्री

देवी भगवतो का नौवां स्वरूप सिद्धिदात्री का है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राहि, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व ये आठ सिद्धियां हैं, जिन्हें पाकर साधक सुख समृद्धि का प्रतीक बन जाता है। ये महालक्ष्मीजी की ही स्वरूप हैं। इनकी आराधना के साथ ही नवरात्र ब्रत का पारायण होता है। देवी पूजन के साथ कन्या भोज व यज्ञ का विशेष फल मिलता है।

गंगाजल बंदी के दौरान जलापूर्ति की किल्लत नहीं होने दी जाएगी

पानी की बर्बादी ना करें : आरपी सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के महा प्रबंधक आर.पी. सिंह का कहना है कि गंगाजल आपूर्ति बंद रहने के दौरान जल की कमी नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए 10 रेनीवेल तथा 300 ट्यूबवेल को पूरी क्षमता के साथ चलाकर जल की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि प्राधिकरण वैकल्पिक जलापूर्ति का हरसंभव प्रयास करेगा, लेकिन लोग इस दौरान जल की बर्बादी न करें। जिससे अन्य लोगों को तकलीफ न हो। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी जल की किल्ल्त हो तो वे प्राधिकरण के टोलफ्री नम्बर-0120-2425025, 26 तथा 27 पर संपर्क करें वहां पर पानी के टैंकर भेजने की व्यवस्था की जाएगी।

बता दें कि गंगनजर में सिल्ट की सफाई तथा अन्य मरम्मत के कारण 2 अक्टूबर से 19-20 अक्टूबर तक गंगाजल की आपूर्ति बाधित रहेगी। हर वर्ष इस दौरान गंगनहर की सफाई होती है। जल की कमी से निबटने के लिए प्राधिकरण ने पूरी तैयारी कर ली है।

बोर्ड में पेश होगा यूनीफाइड नीति के बदलाव का प्रस्ताव

नोएडा (चेतना मंच)। यूनिफाइड पॉलिसी में बदलाव होने जा रहा है। बोर्ड में इसका एक प्रस्ताव लाया जाएगा। संसोधित पॉलिसी को दोबारा से लागू किया जाएगा।

बोर्ड से पहले नोएडा एन्ट्रीप्रिनियोर्स एसोसिएशन ने प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के साथ पत्राचार करते हुए यूनीफाइड पॉलिसी में बदलाव के लिए सुझाव दिए है। पत्र के जरिए बताया कि यूनिफाइड रेगुलेशन 2025 नीति से पहले प्राधिकरण की ऐसी स्कीम थी कि दादा/दादी कंपनी में अपना शेयर पोते/पौत्र /पोती के नाम कर सकती थी। यदि दादा/दादी (शेष पृष्ठ-4 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

अमानवीय सजा

निश्चय ही पानीपत की वह घटना किसी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है, जिसमें एक सात साल के बच्चे को उसके शिक्षक ने सबक सिखाने के लिये कक्षा में उलटा लटका दिया। वाकई यह एक शर्मनाक घटना है, जिसका मानसिक आघात बच्चे के मन पर जीवनपर्यंत बना रह सकता है। यह घटना शहरी इलाके में घटित हुई है लेकिन देश के ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ऐसे वाकये अपवाद नहीं हैं। गाहे-बगाहे ऐसी घटनाएं अखबारों की सुर्खियां बनती रहती हैं, जिसमें शिक्षक क्रूरता की हदें पार करते नजर आते हैं। विगत के दशकों में बच्चों के साथ स्कूलों में निर्मम व्यवहार एक परेशान करने वाले पैटर्न का हिस्सा रहा है। बताते हैं कि पानीपत की परेशान करने वाली घटना का कारण छात्र द्वारा कथित तौर पर होमवर्क न करना रहा है। जिसके चलते इस छात्र को यह अमानवीय सजा दी गई। एक वायरल हुए वीडियो में देखा जा रहा है कि यह बच्चा असहाय और सहमा लटका नजर आ रहा था। कक्षा के अन्य डरे सहपाठी उसे देख रहे थे। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि इस घटना से बच्चे के मन-मस्तिष्क पर कितना बड़ा आघात पहुंचा होगा। जिससे शायद ही जीवनभर वह मुक्त हो पाए। इस वीडियो के वायरल होने के बाद समाज के विभिन्न वर्गों में व्यापक आक्रोश देखा गया। हालांकि, यह घटना बीते अगस्त माह की बतायी जा रही है, लेकिन इसका वीडियो देर से पिछले दिनों सामने आया। जिसको लेकर समाज में तल्ख प्रतिक्रिया देखी जा रही है। इसे वाकये को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं कि स्कूल प्रशासन ने मामले को क्यों दबाया? क्या स्थानीय प्रशासन को इसकी भनक नहीं लगी? वहीं दूसरी ओर सवाल यह भी उठाये जा रहे हैं कि अभिभावकों ने इस घटना के बाबत समय रहते शिकायत क्यों नहीं की? निश्चय ही ऐसे सभी सवालों के जवाब सामने आने चाहिए।

विडंबना यह है कि यह सिर्फ पानीपत की ही अकेली घटना नहीं है। सिर्फ सितंबर में ही देश के विभिन्न भागों से स्तब्ध करने वाली कई घटनाएं सामने आई हैं। ऐसी ही एक परेशान करने वाली घटना छत्तीसगढ़ में प्रकाश में आई है। जहां एक लड़की को सौ बार उठक-बैठक करने पर मजबूर किया गया। उसे तब तक पीटा गया जब तक वह चलने लायक रही। एक विचलित करने वाली घटना में नागपुर में कचरा साफ करने से इनकार करने पर कक्षा पांच की दो छात्राओं को डंडे से पीटा गया। इसी तरह विशाखापत्तनम में एक प्रधानाचार्य ने दो किशोरों को लोहे के स्केल से पीट कर प्रताड़ित किया। बिहार की एक घटना में छात्रों को सजा देने के लिये एक कमरे में बंद कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश की एक घटना में छात्र का कंधा ही टूट गया। ये घटनाएं संकेत दे रही हैं कि सुरक्षित बचपन का दावा कितना खोखला है। यूं तो छात्रों को प्रताड़ित करना कानून की दृष्टि से प्रतिबंधित है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 17 शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न पर प्रतिबंध लगाती है। किशोर न्याय अधिनियम में बच्चों के साथ क्रूरता के लिये तीन साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है। अगर चोट या गंभीर चोट पहुंचायी जाती है, तो आईपीसी की धाराओं में मुकदमा चलाने का प्रावधान है। फिर भी ऐसे कई मामलों में, निलंबन या बर्खास्तगी से आगे कार्रवाई शायद ही कभी आगे बढ़ती है। ऐसे मामलों में पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारियां तभी होती हैं, जब समाज में जनाक्रोश सीमाएं लांघने लगता है। ऐसे केस में दोष सिद्धि तो और भी दुर्लभ होती है। यह स्थिति उन लोगों का हौसला बढ़ाती है जो इस पुरानी मान्यता को मानते हैं कि डर से ही अनुशासन संभव होता है। वास्तव में ऐसे कृत्य बालमन पर गहरा आघात करते हैं। बचपन में अपमान और हिंसा के निशान सीखने, आत्मविश्वास और विश्वास को कमजोर करते हैं। वास्तव में अधिकारियों को ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस दिखानी चाहिए। छात्रों से शारीरिक हिंसा के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तुरंत कार्रवाई, अपराधियों की बर्खास्तगी तथा स्कूल प्रबंधन की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि चारों ओर सोने के बड़े-बड़े मंच बने थे, जिन पर राजा लोग बैठेंगे। उनके पीछे समीप ही चारों ओर दूसरे मचानों का मंडलाकार घेरा सुशोभित था॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कछुक ऊँचि सब भाँति सुहाई। बैठहिं नगर लोग जहँ जाई॥
तिन्ह के निकट बिसाल सुहाए। धवल धाम बहुबरन बनाए॥

वह कुछ ऊँचा था और सब प्रकार से सुंदर था, जहाँ जाकर नगर के लोग बैठेंगे। उन्हीं के पास विशाल एवं सुंदर सफेद मकान अनेक रंगों के बनाए गए हैं॥

जहँ बैठें देखहिं सब नारी। जथाजोगु निज कुल अनुहारी॥
पुर बालक कहि कहि मृदु बचना। सादर प्रभुहि देखावहिं रचना॥

जहाँ अपने-अपने कुल के अनुसार सब स्त्रियाँ यथायोग्य (जिसको जहाँ बैठना उचित है) बैठकर देखेंगी। नगर के बालक कोमल वचन कह-कहकर आदरपूर्वक प्रभु श्री रामचन्द्रजी को (यज्ञशाला की) रचना दिखला रहे हैं॥

दो0=सब सिसु एहि मिस प्रेमबस परसि मनोहर गात।
तन पुलकहिं अति हरषु हियँ देखि देखि दोउ भ्रात॥

सब बालक इसी बहाने प्रेम के वश में होकर श्री रामजी के मनोहर अंगों को छूकर शरीर से पुलकित हो रहे हैं और दोनों भाइयों को देख-देखकर उनके हृदय में अत्यन्त हर्ष हो रहा है॥

(क्रमशः..)

स्त्री जागरण के बिना राष्ट्र की प्रगति और विकास अधूरा

(नारी को समता और समानता का अवसर मिले)

सुसंस्कृत और शिक्षित नारियाँ राष्ट्र की असली कर्णधार होती हैं। उनके योगदान के बिना किसी भी समाज या देश की प्रगति अधूरी है। केवल भारत ही नहीं, संपूर्ण विश्व में स्त्रियाँ अपने नैसर्गिक सम्मान की अधिकारी हैं। किसी भी राष्ट्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसमें नारी को उचित स्थान और समान अधिकार मिलें।

भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव पूजनीय माना गया है। शास्त्रों में कहा गया है—यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता। नवरात्रि की नौ देवियाँ शक्ति के वे प्रतीक हैं जिन्होंने आतताइयों और राक्षसों से देवताओं व मानवता की रक्षा की।परंतु पुरुष प्रधान समाज ने नारी को लंबे समय तक निर्णय और अधिकार से वंचित रखा। आदिम काल से लेकर आधुनिक युग तक उसे स्वतंत्र व्यक्ति नहीं माना गया। धर्मशास्त्रों में भी नारी को पिता, पति या पुत्र के संरक्षण में ही जीवन बिताने की संस्तुति की गई। पश्चिमी लोकतांत्रिक समाज भी इससे अछूता नहीं था। इंग्लैंड में महिलाओं को 1918 तक और अमेरिका में 1920 तक मतदान का अधिकार नहीं मिला।

भारत इस दृष्टि से अग्रणी रहा। 1920 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोरनेलिया सोराबजी को व्यक्ति मानते हुए वकालत का अधिकार दिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला को व्यक्ति का दर्जा 1929 के आसपास ही मिला। यह नारी सम्मान के इतिहास में भारत की बड़ी उपलब्धि थी।

भारतीय समाज ने नारी को अक्सर अबला कहा, लेकिन विद्वानों और विचारकों ने इस धारणा को चुनौती दी। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन ने नारी को नर की सहचरी और उससे भी अधिक सामर्थ्यवान बताया। लेखिका तस्लीमा नसरीन ने कहा—स्त्रियाँ जन्म से अबला नहीं होतीं, उन्हें पुरुष समाज अबला बनाए रखता है। वास्तव में शिशु बालिका की जीवन शक्ति शिशु बालक से अधिक प्रबल होती है, किंतु सामाजिक रूढ़ियाँ उसे बाँध देती हैं।

नारीवाद, मानवाधिकार और पर्यावरण आंदोलनों ने महिला को बराबरी दिलाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरुआत अमेरिका से हुई और रूस की महिलाओं ने 1917 में रोटी, कपड़ा और समानता के लिए हड़ताल कर इसे वैश्विक चेतना का प्रतीक बनाया।

आज भारत की महिलाएँ स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग, प्रशासन, सेना, अंतरिक्ष और राजनीति हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। इंदिरा गांधी, गोल्डा मायर, मार्गरेट थैचर और श्रीमावो भंडारनायके जैसी महिलाओं ने इतिहास रचा। वर्तमान में कमला हैरिस, निर्मला सीतारमण, द्रौपदी मुर्मू, स्मृति ईरानी, किरण बेदी और कल्पना चावला नारी सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल हैं।

फिर भी तस्वीर का दूसरा पहलू चिंता पैदा करता है। भारत की 65त्न महिलाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं, जहाँ मात्र 45त्न ही शिक्षित हैं। शहरी क्षेत्रों में स्थिति बेहतर है, परंतु कुल जनसंख्या की तुलना में महिला भागीदारी अत्यंत कम है। बलात्कार, शोषण और उत्पीड़न की घटनाएँ आए दिन सुर्खियाँ बनती हैं। आँकड़े बताते हैं कि प्रति मिनट सैकड़ों महिलाएँ प्रताड़ना झेलती हैं।नारी सशक्तिकरण केवल नारेबाज़ी से संभव नहीं होगा। शिक्षित और जागरूक महिलाओं को शासन-प्रशासन में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि नारी अबला नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवनधारा और शक्ति का स्तंभ है। जिस समाज ने स्त्री को समानता और सम्मान दिया, वही समाज वास्तविक समृद्धि की राह पर बढ़ा।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार , चिंतक , लेखक
रायपुर (छत्तीसगढ़)

टैरिफ तलवार से अब सिनेमा पर वार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा फैसला लिया है जिसने भारत समेत पूरी दुनिया की फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपने पारंपरिक अंदाज़ में सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा है कि अब अमेरिका के बाहर बनी किसी भी फिल्म पर 100% टैरिफ (कर) लगाया जाएगा। उनका तर्क है कि अमेरिकी फिल्म उद्योग को अन्य देशों ने चुरा लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से टॉफी छीन ली जाती है।

देखा जाये तो यह फैसला केवल कूटनीतिक या वाणिज्यिक कदम नहीं है, बल्कि ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट सोच का नया नमूना है। किंतु सवाल यह है कि यह लगातार भारत जैसे देशों के हितों के विरुद्ध क्यों जाता है? और इससे भारत की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक धारा यानि बॉलीवुड पर क्या असर पड़ेगा?

हम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से VFX और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं। यह भारत के लिए रोज़गार और तकनीकी विकास का बड़ा अवसर था। लेकिन ट्रंप इसे अमेरिका की कमजोरी के रूप में देखते हैं।

देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है। हिंदी और तेलुगु की बड़ी फ़िल्में अकेले 10 मिलियन डॉलर तक की कमाई अमेरिका में करती हैं। यदि 100% टैरिफ लागू होता है तो वहाँ टिकट की कीमत दोगुनी होकर 40 डॉलर तक पहुँच सकती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे भारतीय प्रवासी दर्शक, जो अब तक भारतीय फिल्मों को बड़े पैमाने पर समर्थन देते आए हैं।

ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से VFX और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं।

इसके अलावा, OTT और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे- नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नी+ हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा। इससे भारतीय सिनेमा का वैश्विक प्रसार धीमा हो सकता है।

विडंबना यह है कि ट्रंप जिस हॉलीवुड की रक्षा करना चाहते हैं, उसी को उनके फैसले से सबसे बड़ा नुकसान होगा। हम आपको बता दें कि अमेरिकी फ़िल्म उद्योग की 70% कमाई अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से होती है। यदि अन्य देश जवाबी टैरिफ लगाते हैं तो हॉलीवुड का कारोबार ध्वस्त हो सकता है। इसके अलावा, हॉलीवुड की तमाम बड़ी फ़िल्मों— अवेंजर्स एंडगेम, ड्यून, जंगल बुक, इंटरस्टेलर का पोस्ट-प्रोडक्शन भारत जैसे देशों में हुआ है। अगर यह सहयोग बाधित होता है तो न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि रचनात्मक गुणवत्ता भी प्रभावित होगी।

माना जा रहा है कि भारतीय एनीमेशन और VFX उद्योग 2026 तक 2.2 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। ट्रंप का यह फैसला इस ग्रोथ को रोक सकता है। लेकिन यह भारत के लिए एक अवसर भी है- नए बाजारों और साझेदारियों की तलाश का। यूरोप, एशिया और अफ्रीका में भारतीय कंटेंट के लिए संभावनाएँ हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यदि भारत अपनी फिल्मों और सेवाओं को अन्य बाज़ारों तक पहुँचाता है तो वह इस झटके को संतुलित कर सकता है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह कदम एक बार फिर साबित करता है कि उनकी नीतियों का केंद्र केवल अमेरिका फर्स्ट है, भले ही इससे उनके सहयोगी देशों को नुकसान क्यों न हो। भारत जैसे उभरते साझेदार, जिन्होंने दशकों से अमेरिकी तकनीक, मनोरंजन और व्यापार को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, इस फैसले से प्रत्यक्ष नुकसान उठाएँगे। बॉलीवुड, जो विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, अमेरिकी बाज़ार में अपनी स्थिति खो सकता है। भारतीय दर्शकों के लिए टिकट और स्ट्रीमिंग की कीमतें बढ़ेंगी, और निर्माताओं को नए बाजार तलाशने होंगे।

बहरहाल, ट्रंप के लिए यह राजनीतिक सफलता हो सकती है, किंतु वैश्विक सिनेमा के लिए यह कदम विनाशकारी सिद्ध होगा। सवाल यह है कि क्या दुनिया अमेरिकी राष्ट्रवाद के इस नए रूप के आगे झुक जाएगी, या फिर भारतीय सिनेमा समेत वैश्विक फिल्म उद्योग एकजुट होकर इसका जवाब देगा?

-नीरज कुमार दुबे

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष नवमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शुभ समय, अच्छा समय, भाग्यकारी समय। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक दिन और है। कुछ घंटे की बात है। थोड़ा सा समय खराब है। प्रेम संतान का साथ होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भावुकता पर काबू रखें। महत्वपूर्ण निर्णय थोड़ा रोक दें क्योंकि भावुकता में लिया गया निर्णय नुकसान करेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भौतिक सुख संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभाव है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अगर कुछ भी अपने व्यापारिक रूप में डिजाइन किया है, उसको कार्य रूप दें। शुभ समय है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
अपनों में वृद्धि होगी। धन में वृद्धि होगी। बस जुबान पर काबू रखें। निवेश पर काबू रखें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। समाज में सराहे जाएंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर नीचे रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
राजनीतिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। कोर्ट कचहरी में विजय होगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ है।

लंका दहन से लंका में मची हा-हा कार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री रामलीला कमेटी, साइट-4 में आयोजित रामलीला का आज का भव्य मंचन गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ। अध्यक्ष मनजीत सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन की विधिवत शुरुआत की।

कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग ने बताया कि लीला की शुरुआत श्री राम और सीता माता के शबरी आश्रम आगमन से हुई। शबरी ने श्री राम को मीठे बेर खिलाए और उन्हें पम्पापुर का मार्ग दिखाया। इसके बाद श्री राम और लक्ष्मण किश्कन्धा पर्वत पहुंचे, जहाँ उनका हनुमान जी से परिचय हुआ। हनुमान जी उन्हें सुग्रीव के पास ले गए, जिन्होंने अपनी व्यथा श्री राम को सुनाई और मायावी बाली के बारे में बताया। इस संवाद के पश्चात श्री राम ने बाली का वध किया।

महासचिव बिजेंद्र आर्य ने बताया कि वर्षा ऋतु के पश्चात वानर सेना समुद्र तट पर सीता माता की खोज में जुटी। हनुमान जी समुद्र लांघ कर लंका पहुंचे और सीता माता से मुलाकात कर उन्हें फल खाने के लिए उद्यान में ले गए। वहां रावण के पुत्र अक्षय कुमार से हनुमान जी का मुकाबला हुआ, जिसमें हनुमान जी विजयी रहे।

संयुक्त महासचिव सौरभ बंसल ने बताया कि मेघनाथ हनुमान जी को ब्रह्म फांस में बांधकर रावण के समक्ष लाता है। रावण हनुमान जी की पूँछ में आग लगवाता है, जिसके बाद हनुमान जी लंका दहन करते हैं। इस भव्य दृश्य और आरती के साथ आज की रामलीला का मंचन समापन हुआ।

मीडिया प्रभारी विनोद कसाना ने बताया कि 1 अक्टूबर को होने वाले अगले मंचन में विभीषण आगमन, सेतू बंधन, अंगद-रावण संवाद, लक्ष्मण शक्ति, कुंभकरण वध जैसी महत्वपूर्ण लीलाओं का मंचन किया जाएगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष मनजीत सिंह, धर्मपाल भाटी, बिजेंद्र सिंह आर्य, मनोज गर्ग, सौरभ बंसल, विनोद कसाना, ओमप्रकाश अग्रवाल, कुलदीप शर्मा, कमल सिंह आर्य, मुकेश शर्मा, के.के. शर्मा, हरेन्द्र भाटी, मुकुल गोयल, अमित गोयल, अतुल जिन्दल, गिरीश जिन्दल, श्यामवीर भाटी, श्री चन्द भाटी, अनुज उपाध्याय, मनोज यादव, सुभाष चन्देल, गजेंद्र चौधरी, सुनील प्रधान, अरुण गुप्ता, अंकुर गर्ग, उमंग सिंगला, दीपक भाटी, राहुल नम्बरदार, प्रभाकर देशमुख, विकास आर्य, रिंकू आर्य, प्रमोश मास्टर, टी.पी. सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल की आत्मनिर्भर भारत संकल्प कार्यशाला सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी, ग्रेटर नोएडा मंडल द्वारा शाहदरा गांव में आत्मनिर्भर भारत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र नागर रहे। कार्यक्रम में भाजपा ग्रेटर नोएडा मंडल के अध्यक्ष अर्पित तिवारी और कार्यक्रम के संयोजक एवं मंडल उपाध्यक्ष कपिल भाटी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में बोलते हुए सत्येंद्र नागर ने कहा कि आज भारत आत्मनिर्भर बन चुका है और देश की प्रगति में सभी नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और सदस्यों ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर रवि श्रीवास्तव, मुकेश दीक्षित, सुनील शर्मा, विजय कसाना, राघवेंद्र त्रिपाठी, संजय चौहान आदि लोग मौजूद रहे।

भाकियू (बलराज) के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी का जन्मदिन है उन्हें बधाई देने वालों का तांता लहा है।

श्री रामलीला कमेटी का आठवां दिन, माता शबरी प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर किया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ने भगवान श्री राम की लीला का आठवां दिन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती कांता कर्दम, पूर्व सांसद राज्य सभा एवं उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश थीं। अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया कि मंचन की शुरुआत रावण द्वारा माता सीता को लंका ले जाने और अशोक वाटिका में रखने के दृश्य से हुई। इसके पश्चात् भगवान राम माता सीता की खोज में जंगलों में विलाप करते हुए आगे बढ़ते हैं।

लीला के दौरान माता शबरी का प्रसंग दर्शकों के हृदय को छू गया। बरसों से प्रभु श्री राम की प्रतीक्षा कर रही शबरी माता को श्री राम ने दर्शन दिए। तत्पश्चात् प्रभु श्री राम पंपापुर पहुंचे और वहां सुग्रीव और उनकी वानर सेना से उनकी भेंट हुई। साथ ही, हनुमान जी से

मिलकर माता सीता की खोज में समुद्र पार लंका तक जाने की कथा प्रस्तुत की गई। सुरसा और लंकिनी का प्रसंग अत्यंत रोचक एवं आधुनिक तकनीक के माध्यम से दर्शकों के सामने जीवंत हुआ।

अध्यक्ष आनंद भाटी ने इस अवसर पर माता शबरी के प्रसंग से मिलने वाली शिक्षा साझा की कि प्रभु अपने भक्त के प्रेम और भक्ति के भूखे हैं। यदि भक्त सच्चे मन से भक्ति में लीन है, तो प्रभु स्वयं उनके पास आ जाते हैं।

इस अवसर पर संस्थापक परम पूज्य गोस्वामी सुशील जी महाराज, एडवोकेट राजकुमार नागर, पंडित प्रदीप शर्मा, शेर सिंह भाटी, हरवीर मावी, मुख्य संरक्षक नरेश गुप्ता, संरक्षक सुशील नागर, धीरेंद्र भाटी, मनोज गुप्ता, सतीश भाटी, दिनेश गुप्ता, पवन नागर, बालकिशन सफीपुर, धीरज शर्मा, महासचिव ममता तिवारी, कोषाध्यक्ष अजय नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश शर्मा बदौली, सुभाष भाटी, उमेश गौतम, योगेंद्र भाटी, मनीष डाबर, रोशनी सिंह, चैन पाल प्रधान, मीडिया प्रभारी अतुल आनंद, जितेन्द्र भाटी, सत्यवीर मुखिया, फिरे प्रधान, पी. पी. शर्मा, महेश कमांडो, सचिव ज्योति सिंह, वीरपाल मावी, जयदीप सिंह, गीता सागर, यशपाल नागर, तेजकुमार भाटी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शारदा विश्वविद्यालय में डांडिया नाइट और माता की चौकी का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय सोमवार शाम को डांडिया नाइट और माता की चौकी का आयोजन किया गया। डांडिया नाइट में कॉलेज के छात्रों को आई कार्ड दिखाकर प्रवेश की अनुमति दी गई। इस कार्यक्रम में गरबा की मधुर धुनों और डांडिया की धुनों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। पारंपरिक वेशभूषा में पहने नजर आए। जिसमें छात्र, शिक्षक और स्टाफ ने पारंपरिक संगीत, नृत्य और उत्सव के रंगों का आनंद लिया। छात्रों ने अपने उत्साह और सांस्कृतिक भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में छात्रों के साथ ही शिक्षक और स्टाफ ने पारंपरिक संगीत, नृत्य और उत्सव के रंगों का आनंद लिया। छात्रों ने अपने उत्साह और सांस्कृतिक भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया। सभी ने अपने दोस्तों के साथ डांस किया। कार्यक्रम का छात्रों ने जमकर आनंद उठाया।

विश्वविद्यालय में माता की चौकी के दौरान छात्रों और गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया गया। छात्र-छात्राओं ने देवी मां से अपने उज्जवल भविष्य की कामना की और भक्ति गीतों और नृत्य प्रस्तुतियों में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन माता की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने मिलकर जय माता दी का उद्घोष किया और भक्ति का आनंद लिया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि भारतीय परंपराओं से जुड़ने का एक अनमोल अवसर भी था।

सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता और जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

भदोही। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में 2 अक्टूबर तक संगठन के दिशा-निर्देशन में सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम चल रहा है।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने बताया कि 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई का कार्य किया जाएगा।

स्वच्छता अभियान से पूर्व कल देर शाम क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल एवं जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी जनपद में उपस्थित रहे और कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर तक सभी कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत सहित अन्य योजनाओं के अनुरूप सही ढंग से संपन्न होने चाहिए।

क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए ऐतिहासिक फैसले और जीएसटी से संबंधित जानकारी गोपीगंज नगर के विभिन्न दुकानदारों को दी। जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि जो भी बचे हुए कार्यक्रम हैं, उन्हें 2 अक्टूबर तक बड़े स्तर पर संपन्न किया जाएगा और प्रधानमंत्री के सपनों को साकार किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी, जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय, बृजेश गुप्ता, प्रियंका जायसवाल, सेवा पखवाड़ा के संयोजक नागेंद्र सिंह, युवा नेता मनीष पांडेय, अखिलेंद्र सिंह बघेल, चिंटू, रमेश सोनकर सहित सभी मंडल अध्यक्ष और वरिष्ठ लोग उपस्थित रहे।

जीएसटी सुधारों से व्यापारियों को मिली सुविधा : कपिल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा ग्रेटर नोएडा मंडल के उपाध्यक्ष कपिल भाटी ने कहा है कि हाल ही में मोदी सरकार द्वारा किए गए जीएसटी सुधार ऐतिहासिक हैं। पहले जीएसटी के अंतर्गत चार दरें थीं जिन्हें अब घटाकर दो कर दिया गया है। जिन वस्तुओं पर पहले 12 प्रतिशत कर लगता था, उन्हें या तो शून्य कर दिया गया या 5 प्रतिशत कर की श्रेणी में लाया गया है। इसी प्रकार जिन वस्तुओं पर 28 प्रतिशत कर लगता था, उनमें से अधिकांश को घटाकर 28 प्रतिशत कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों ने न केवल कर व्यवस्था को सफल बनाया है, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए भी सीधा असर डाला है। उन्होंने कहा कि अब आम आदमी को दैनिक उपयोग की वस्तुएँ सस्ती मिलेंगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का कार्यक्रम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को और मजबूत बनाता है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से व्यापारियों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि इन कदमों से देश के छोटे और मध्यम उद्योगों को नई ऊर्जा मिलेगी और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

कल दशहरा पर फूंके जाएंगे धारा-10 के

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा आवंटियों को दिये जा रहे धारा-10 के नोटिस व प्राधिकरण की कार्यप्रणाली से दुखी आम जनता की समस्याओं का अंत कराने के लिये दशहरा पर्व पर प्राधिकरण रूपी पुतले का दहन और धारा-10 के नोटिस भी स्वाहा किये जायेंगे।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गौरव सिंघल एडवोकेट ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा अलग-अलग सेक्टरों के आवंटियों को धारा-10 के नोटिस दिये जा रहे हैं जिससे आवंटियों में भय का वातावरण बना हुआ है। आवंटी कई बार प्राधिकरण अफसरों से मिल चुके हैं लेकिन अफसरों द्वारा कोई समाधान अभी तक नहीं निकाला गया है। आवंटियों के आक्रोश को देखते हुए और उनकी समस्याओं को हल कराने के लिए दशहरा पर्व पर बरौला स्थित हनुमान मंदिर के सामने प्राधिकरण रूपी रावण का दहन किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि दहन के दौरान धारा-10 की प्रतियां भी जलाई जायेंगी। उन्होंने कहा कि धारा 10 के नोटिस को प्राधिकरण अफसरों ने लूट का एक नया हथियार बना लिया है। जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और शहरवासियों के साथ मिलकर शहर के हित में एक बड़ा आंदोलन किया जायेगा।

महिला संबंधी अपराधों के प्रति किया जागरूक

नोएडा (चेतना मंच)। शक्ति केंद्र के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति केंद्र 5.0 के अधिकारी व कर्मचारियों के द्वारा मदर्सन कंपनी सेक्टर-1 में जाकर जागरूकता अभियान के तहत समस्त महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराधों के बारे जागरूकता, सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकरी दी गई। महिला सशक्तिकरण अभियान, बेटी पढ़ाओ अभियान आदि के विषय में जागरूकता प्रदान की गई। बालक-बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के शासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों, शुभ मंगल योजना, साइबर क्राइम एवं साइबर सुरक्षा की जानकारी दी गई।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, दादरी (गौतमबुद्धनगर)

पत्रांक:-1304/निर्माण/न0पा0 परि0दा0/2025-26 दिनांक: 30/09/2025

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर पालिका परिषद, दादरी (गौतमबुद्धनगर) द्वारा स्वच्छ भारत मिशन / राज्य वित्त आयोग निधि के अन्तर्गत 01 निर्माण/विकास कार्य की ई-निविदा उत्तर प्रदेश की ई-प्रिक्योरमेन्ट की बेवसाईट www.etender.up.nic.in के माध्यम से स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग / राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में ई0/डी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप ठेकेदारों / फर्मो से प्रतिशत आधार दरों पर दिनांक 13.10.2025 को समय सांय 05.00 बजे तक ऑमत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए ई-निविदा दे सकता है। ई-निविदाओं का विस्तृत विवरण-निविदा प्रपत्र, निविदा शुल्क एवं नियम-शर्ते आदि उत्तर प्रदेश की ई-प्रिक्योरमेन्ट की बेवसाईट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध रहेगा। यदि ई-निविदा खोलने की तिथि को सक्षम अधिकारी की अनुपलब्ता होने के कारण या सार्वजनिक अवकाश घोषित होने पर ई-निविदा अगले कार्यदिवस में खोली जायेंगी।

निविदा की समय सारणी (www.etender.up.nic.in पर)		
1.	वेबसाइट पर ई-निविदा प्रकाशन की तिथि / समय	दिनांक 30.09.2025 को अपरान्ह 12:00 बजे से
2.	ई-निविदा डाउनलोड/अपलोड की प्रारम्भ तिथि / समय	दिनांक 30.09.2025 को अपरान्ह 12:00 बजे से
3.	ई-निविदा डाउनलोड/अपलोड की अन्तिम तिथि / समय	दिनांक 13.10.2025 को सायं 05:00 बजे तक
4.	ई-निविदा की तकनीकी बिड खोलने की तिथि / समय	दिनांक 14.10.2025 को प्रात: 11:00 बजे से

नोट:- ई-निविदा संशोधन की सूचना/जानकारी हेतु ई-प्रिक्योरमेन्ट की बेवसाईट www.etender.up.nic.in बेबसाईट को लगातार देखते रहें।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद,दादरी
(गौतमबुद्धनगर)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद,दादरी
(गौतमबुद्धनगर)

तीन लोगों के मोबाइल पर हाथ साफ

नोएडा (चेतना मंच)। चोरों ने अलग-अलग स्थानों से तीन मोबाइल फोन पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर में रहने वाले धीरज कुमार ने थाना सेक्टर-20 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 24 सितंबर को सेक्टर-18 जीआईपी मॉल के पास से उनका मोबाइल फोन चोरी हो गया। उन्होंने अपने मोबाइल की काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। थाना सेक्टर-39 में सेक्टर 37 अंबेडकर बिहार निवासी चंद्र बसु ने मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह एक कॉलेज से ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन का कोर्स कर रही है। 15 अगस्त को वह अपने भाई और भाभी के साथ दूसरे कमरे में बैठकर खाना खा रही थी। उसने अपने कमरे की बाहर से कुंडी लगाकर उसे बंद कर रखा था। इस दौरान कोई अज्ञात व्यक्ति कमरे में आया और उसका मोबाइल फोन चोरी कर ले गया। उसने घर के बाहर खेल रहे बच्चों से पूछा तो उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति उनके घर में घुसा था। वहीं थाना सेक्टर-49 में जितेंद्र कुमार मीणा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर 75 में रह रहे हैं। किसी अज्ञात चोर ने 25 सितंबर को उनकी पत्नी के बैग से मोबाइल फोन चोरी कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायतों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पड़ोसी को मारा चाकू

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नया गांव में मामूली विवाद में युवको ने अपने पड़ोसी पर चाकू से जानलेवा हमला कर उसे घायल कर दिया। पीड़ित ने थाना फेस-2 में इस संबंध में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। नया गांव में किराए पर रहने वाले अख्तर हुसैन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 30 सितंबर के रात्रि को अपने कमरे में था। इस दौरान उसके पड़ोस में रहने वाले रिजवान अबरार और इसरार जबरन उसके कमरे में घुस आए और गाली गलौज करने लगे उसने इस बात का विरोध किया तो तीनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने उस पर चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

तीन बालअपचारी गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। मोबाइल फोन झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन किशोरो को थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने पुलिस संरक्षण में लिया है। इनके पास से छीने गए साथ मोबाइल फोन वह वारदात में प्रयुक्त एक बाइक बरामद हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम जेपी सोसायटी की तरफ जाने वाले कट पर चेकिंग कर रही थी। बाइक पर आ रहे तीन किशोर को पुलिस टीम ने रोकने का इशारा किया पुलिस को देखकर तीनों किशोर बाइक मोड़कर भागने लगे पुलिस टीम ने पीछा कर तीनों को घेर कर दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से 7 मोबाइल फोन बरामद हुए। पकड़े गए तीनों आरोपियों की उम्र 17 वर्ष है तीनों ने पुलिस को बताया कि उनसे बरामद मोबाइल फोन उन्होंने अलग-अलग स्थान पर राहगीरों से छीने है। छिन गए मोबाइल फोन को वह राह चलते लोगों को सस्ते दामों में भेज देते थे मोबाइल फोन को पर मिलने वाले पैसे से वह अपने शौक पूरे करते थे।

ओपन हुए 9 कंपनियों के आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइमरी मार्केट आज सोमवार को काफी व्यस्त रहेगा। कई दिग्गज कंपनियों के आईपीओ आज ओपन हो गए हैं। इस लिस्ट में कई बड़ी कंपनियों का नाम भी शामिल है। आइए एक-एक करके जानते हैं इनके विषय में - कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 120 रुपये से 129 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने 114 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 14706 रुपये का दांव लगाना होगा। आईपीओ 1 अक्टूबर तक खुला रहेगा। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 12 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। इस कंपनी के आईपीओ का साइज 230.35 करोड़ रुपये है। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 181 रुपये से 191 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 75 शेयरों का एक लॉट बनाया है। इस आईपीओ का मिनिमम इंवेस्टमेंट अमाउंट 14325 रुपये है। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ 20 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। **ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स आईपीओ :** इस कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 128 रुपये से 135 रुपये तय किया गया है। कंपनी ने 111 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 14985 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, ग्रे मार्केट में आज सोमवार को कंपनी का आईपीओ 11 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। आईपीओ का साइज 10.71 करोड़ रुपये है। कंपनी आईपीओ के जरिए 17 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। आईपीओ का प्राइस बैंड 51 रुपये है। वहीं, लॉट साइज 2000 शेयरों का बनाया गया है। किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम 2,04,000 रुपये का दांव लगाना होगा। आज इस आईपीओ का जीएमपी जीरो रुपये है।

जयपीडी स्यूटिकल आईपीओ: कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 35 रुपये है। कंपनी 4000 शेयरों का एक लॉट बनाई है। निवेशकों को कम से कम 2 लॉट पर एक साथ दांव लगाना होगा। आईपीओ एक अक्टूबर तक खुला रहेगा। इस आईपीओ का जीएमपी भी जीरो रुपये ही है।

ओम मेटालॉजिक आईपीओ

आईपीओ 1 अक्टूबर तक ओपन रहेगा। निवेशकों के लिए कंपनी ने 86 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड घोषित किया है। इस एसएमई सेगमेंट के आईपीओ का लॉट साइज 1600 शेयरों का है। किसी भी रिटेल निवेशक को कम से कम 2 लॉट को एक साथ सब्सक्राइब करना होगा। कंपनी के आईपीओ का मौजूदा जीएमपी 18 रुपये प्रति शेयर है।

सुबा होटल्स आईपीओ

कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 105 रुपये से 111 रुपये प्रति शेयर है। आईपीओ का लॉट साइज 1200 शेयरों का है। जिसकी वजह से कम से कम निवेशकों को 2,66,400 रुपये का इंवेस्टमेंट करना होगा। कंपनी के आईपीओ का मौजूदा जीएमपी 7 रुपये है। एसएमई सेगमेंट के इस आईपीओ का प्राइस बैंड 73 रुपये है। कंपनी ने 1600 शेयरों का एक लॉट बनाया है। निवेशकों को कम से कम 3200 शेयरों पर एक साथ दांव लगाना होगा। ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 12 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है।

क्यूपिड लि.ने जीएसटी दर तर्कसंगतीकरण का बड़े प्रोत्साहन के रूप में स्वागत किया

मुंबई, एजेंसी। क्यूपिड लिमिटेड, (बीएसई - 530843, एनएसई - क्यूपिड), - क्यूपिड लिमिटेड ने आज 56वीं जीएसटी परिषद की ऐतिहासिक सिफारिशों का स्वागत किया, जिसमें आवश्यक और उपभोक्ता केंद्रित उत्पादों की एक विस्तृत श्रेणी पर वस्तु एवं सेवा कर दरों में व्यापक कटौती की घोषणा की गई है, जो 22 सितम्बर 2025 से प्रभावी होगी। परिषद के निर्णयों में डेयरी उत्पाद, चॉकलेट, मिठाइयाँ, जूस, शैम्पू, साबुन, बालों का तेल, टूथपेस्ट, बिस्किट और पैक किए गए खाद्य पदार्थ जैसे प्रमुख एफएमसीजी श्रेणियों पर जीएसटी में की गई कटौती शामिल है, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए वस्तुएँ अधिक सुलभ होंगी और देश की उपभोग आधारित वृद्धि को तेज़ी मिलेगी। चूंकि क्यूपिड लिमिटेड अपने डायग्नोस्टिक किट्स के साथ-साथ एफएमसीजी क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से विस्तार कर रही है, ये सुधार इनपुट लागत को कम करेंगे, उत्पादों की पहुंच को बेहतर बनाएंगे और मात्रा वृद्धि को प्रोत्साहित करेंगे। क्यूपिड के हेयर और बॉडी ऑयल, फेस वॉश और आईवीडी डायग्नोस्टिक किट्स को जीएसटी दर में कटौती का सीधा लाभ मिलेगा। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए क्यूपिड लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, आदित्य कुमार हलवासिया ने कहा,जीएसटी सुधार उपभोक्ता अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर हैं। आवश्यक और आकांक्षी एफएमसीजी उत्पादों पर कर का बोझ कम करके, सरकार ने भारतीय परिवारों के हाथों में सीधे अधिक क्रय शक्ति दी है। क्यूपिड लिमिटेड के लिए इसका अर्थ है कि हमारे उत्पाद अधिक आकर्षक कीमतों पर अधिक व्यापक दर्शकों तक पहुँच सकते हैं।

जन्मदिन पर वैदिक मन्त्रोंच्चारण और विधि विधान से यज्ञ शाला का हुआ उद्घाटन

गाजियाबाद। श्रीश्री-108 स्वामी राजेंद्रानन्द सरस्वती के जन्मदिन पर स्वामी जी के कर कमलों द्वारा गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र स्थित भारत सिटी में वैदिक मन्त्रोंच्चारण व विधि विधान से एक ऐसे यज्ञ शाला का उद्घाटन किया गयाद्ध

दिल्ली एनसीआर सहित आस पर कही देखनो को नहीं मिलेगा। वही वैदिक रीत रीवाजों व सभी वास्तु दोष के निवारण का ध्यान रखते हुए स्वामी राजेंद्रा नन्द सरस्वती जी के निर्देशन में इस अद्भुत यज्ञशाला का निर्माण भारत सिटी के निवासियों ने कराकर आज इसका भव्य रूप से उद्घाटन कराया गया जिसमें सनातन रीत रिवाज़ और बैदिक मन्त्रोंच्चारण के बीच हवन कर शुरुआत हुई। इस दौरान क्षेत्र से हजारों श्रद्धांलुओं ने अपनी सहीभागिता कर अक्षय पुण्य प्राप्त किया।

आपको बता दें गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र अंतर्गत भारतसिटी में वहाँ के निवासिओं ने परमपूज्य स्वामी राजेंद्रा नन्द सरस्वती के निर्देशन पर सभी खामियों से सुसज्जित एक विशाल यज्ञ शाला का निर्वाण कराया जिसका उद्घाटन पूज्य गुरुदेव श्री श्री 108 स्वामी राजेंद्रा नन्द सरस्वती के के 41 वे जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर स्वामी जी कर कमलों द्वारा इस विशाल यज्ञशाला का उद्घाटन शास्त्रों के रीत रिवाज़ और वैदिक मन्त्रोंच्चारण के बीच किया गया।

इस अवसर पर यज्ञशाला समिति के रणजीत सिंह, प्रमोद जोशी, कार्तिक झा, निशीकांत त्रिपाठी, संतोष शर्मा, सोमेंद्र मिश्रा, मुकेश रंजन, राजेश सिंह, योगेंद्र दीक्षित सहित भारत सिटी व आस पास क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मानस पॉलिमर्स एंड एनर्जीज़ लि. का आईपीओ खुला

30 सितंबर को होगा बंद

मुंबई, एजेंसी। मानस पॉलिमर्स एंड एनर्जीज़ लिमिटेड, जो पीईटी उत्पादों की निर्माता और नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी है तथा 16 राज्यों में अपनी सेवाएं देती है, ने अपने आईपीओ की घोषणा की है। यह इश्यू 26 सितंबर को खुल चुका है और 30 सितंबर 2025 को बंद होगा।

यह आईपीओ कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो इसके बिजनेस मॉडल और भविष्य की दृष्टि को प्रमाणित करता है। सार्वजनिक निर्गम कंपनी की महत्वाकांक्षी विस्तार योजनाओं को वित्तीय आधार प्रदान करेगा, विशेषकर पोलिमर उत्पादों और नवीकरणीय ऊर्जा के उच्च संभावनाओं वाले क्षेत्रों में।

आईपीओ एक बुक बिल्ड इश्यू है, जिसकी कुल राशि 23.52 करोड़ है। यह पूरी तरह से 29.04 लाख नए शेयरों का फ्रेश इश्यू होगा। लॉट साइज 1600 शेयर और प्राइस बैंड 76 से 81 प्रति शेयर तय किया गया है। इक्विटी शेयरों को एनएसई एसएमई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। एक्सपर्ट ग्लोबल कन्सल्टेंट्स प्रा. लि. इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है और पूर्वा शेयररजिस्ट्री (इंडिया) प्रा. लि. इसके रजिस्टार होंगे।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कई रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा– 1,350 लाख की पूंजीगत व्यय राशि से सोलर पावर प्लांट स्थापित करने के लिए और 297.40 लाख स्थायी परिसंपत्तियों की खरीद के लिए।

मानस पॉलिमर्स एंड एनर्जीज़ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विनीत भदौरिया ने कहा- हम अपनी यात्रा के एक निर्णायक मोड़ पर हैं और पब्लिक होने का फैसला हमारे लिए ऐतिहासिक है। यह आईपीओ हमारी रणनीतिक विकास योजनाओं को गति देगा, खासतौर पर हमारी सौर ऊर्जा क्षमता को 1 मेगावाट से बढ़ाकर 5 मेगावाट करने में। जुटाई गई पूंजी न केवल हमारे विस्तार को प्रोत्साहित करेगी बल्कि कंपनी को पोलिमर्स और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों क्षेत्रों में अग्रणी स्थान पर सुदृढ़ करेगी। हमें अपने बिजनेस मॉडल पर पूर्ण विश्वास है और हम निवेशकों को हमारे भविष्य के विकास का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।

एक्सपर्ट ग्लोबल कंसल्टेंट्स प्रा. लि. के निदेशक और इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर श्री शोभित आर. अग्रवाल ने आगे कहा- मानस पॉलिमर्स एंड एनर्जीज़ लिमिटेड के आईपीओ से जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। कंपनी ऐसे क्षेत्र में काम कर रही है, जहाँ उन्नत पोलिमर उत्पादों और ऊर्जा समाधान की मांग तेजी से बढ़ रही है। एक मजबूत नेतृत्व, स्केलेबल बिजनेस मॉडल और स्पष्ट वृद्धि रोडमैप के साथ, मानस पॉलिमर्स इस अवसर का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

पृष्ठ एक के शेष....

राष्ट्र प्रथम ही ...

सरल जीवन पद्धति ही संघ के सौ वर्षों के सफर का आधार बने. उन्होंने कहा कि समर्पण, सेवा और राष्ट्र निर्माण की साधना से. संघ ने जिस कालखंड में जो चुनौती आई, उसमें संघ ने खुद को झोंक दिया.

पीएम मोदी ने आजादी के आंदोलन में डॉक्टर हेडगेवार की सक्रिय भागीदारी से लेकर हैदराबाद के निजाम और दादरा नगर हवेली तक, संघ का बहुत योगदान रहा. उन्होंने कहा कि इसके बाद भी संघ को कुचलने का प्रयास हुआ. संघ को मुख्य धारा में नहीं आने देने के लिए अनगिनत साजिशें हुईं. पीएम मोदी ने कहा कि गुरु जी जब जेल से बाहर आए, तब उन्होंने बहुत सहजता से कहा था कि कभी कभी जीभ दांतों के बीच में आ जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ दिया करते. जीभ भी हमारी है, दांत भी।

उन्होंने कहा कि जेल में तरह-तरह की यातनाएं दी गईं, अत्याचार हुए लेकिन गुरु जी के मन में कोई भेद नहीं था. उनका व्यक्तित्व ऋषितुल्य था. पीएम मोदी ने कहा कि संघ पर चाहे प्रतिबंध लगे, लेकिन स्वयंसेवकों ने मन में कटुता को कभी स्थान नहीं दिया. उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक के लोकतंत्र पर अडिग विश्वास ने मन में कटुता को जन्म नहीं लेने दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि समाज के अनेक थपेड़े सहते हुए भी संघ विराट वृक्ष की तरह अडिग खड़ा है. उन्होंने कहा कि अभी एक स्वयंसेवक ने कितनी सुंदर प्रस्तुति दी- हमने देश को ही देव माना है और देह को ही दीप बनाकर जलना सीखा है. पीएम मोदी ने कहा कि शुरू से ही संघ राष्ट्रभक्ति का पर्याय रहा है. जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों लोगों को बेघर कर दिया, तब संघ के स्वयंसेवक शरणार्थियों की सेवा में अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े थे।

अमेरिका में 7 साल...

बजट या अस्थायी फंडिंग बिल पास नहीं होता, तब तक 'गैर-जरूरी' सरकारी विभागों और सेवाओं को बंद करना पड़ता है। इस स्थिति को ही शटडाउन कहा जाता है। पिछले दो दशकों में यह अमेरिका की पांचवीं बड़ी शटडाउन स्थिति बन सकती है। शटडाउन होने पर करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेजा जा सकता है।

इससे पहले रिपब्लिकन ने सरकार को 21 नवंबर तक खुला रखने के लिए एक अल्पकालिक वित्त पोषण विधेयक पेश किया है। हालांकि, डेमोक्रेट्स का कहना है कि यह पर्याप्त नहीं है। वे चाहते हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ग्रीष्मकालीन मेगा-बिल से मेडिकेड कटौती को वापस लिया जाए और अफोर्डेबल केयर एक्ट के प्रमुख टैक्स क्रेडिट को बढ़ाया जाए। रिपब्लिकन ने इन मांगों को सिरे से खारिज कर दिया है। किसी भी पक्ष के पीछे हटने के की वजह से इस हफ्ते सदन में मतदान भी निर्धारित नहीं है।

सात साल बाद यह पहला मौका होगा, जब फंड की कमी की वजह से अमेरिका में कई सेवाएं प्रभावित होंगी। 2018 में ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान शटडाउन 34 दिनों तक चला था। इस बार खतरा और गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि ट्रंप इसकी आड़ में लाखों कर्मचारियों की छंटनी और कई अहम योजनाओं को बंद करने की तैयारी कर सकते हैं। शटडाउन से ठीक पहले उन्होंने इसके संकेत भी दे दिए हैं।

ब्लॉक स्पॉट की संख्या...

पुर्नवास के संबंध में आवश्यक प्रस्ताव देने के लिए कहा गया। प्रत्येक शुक्रवार साप्ताहिक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया। साथ एनजीओ के कार्य की समीक्षा के लिए कहा गया। पीजी मालिकों से वार्ता करके उनके परिसर में डस्टबिन रखवाए जाने के लिए कहा गया। डोर टू डोर ई रिक्शा में जीपीएस लगाए जाने के निर्देश दिए गए। जागरुकता अभियान के बाद भी जो लोग नहीं मान रहे उनकी जानकारी एनजीओ द्वारा दी जाएगी। जिसके बाद उनके खिलाफ एक्शन लेने के लिए कहा गया। एनजीओ द्वारा 7-8 ग्रुप बनाकर डेंगू , गंदगी से होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूकता की जाए।

शाहबेरी की बहुमंजिला ...

शाहबेरी स्थित एक फ्लैट में आग लगने की सूचना पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां भेजी गई तथा आग को बुझा दिया गया। फ्लैट के अन्दर एक रूम में स्टेशनरी का सामान रखा हुआ था, जो जल गया है। फ्लैट के मन्दिर में दीपक जल रहा था जिससे आग लगने की संभावना है।

घरेलू नौकर ने...

उसका लॉकर भी टूटा हुआ था। अलमारी के लॉकर में रखे 200000 रूपये तथा लाखों रुपए के जेवरात भी गायब थे। इसके बाद उन्होंने सनी के मोबाइल पर फोन की लेकिन वह स्विच ऑफ मिला। काफी प्रयासों के बावजूद भी सनी का कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

बता दें कि हाल ही में थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में रहने वाले रिटायर्ड आईएएस देवदत्त शर्मा के मकान में भी उनके घरेलू नौकर ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। नेपाली मूल के नौकर ने उनकी अनुपस्थित का फायदा उठाकर घर से नगदी व सामान पर हाथ साफ कर दिया था।

अस्थियां विसर्जन के लिए...

जबकि दो लोग गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने कार में फंसे सभी लोगों को जिला अस्पताल भिजवाया। यहां एक और घायल की मौत हो गई। मरने वालों में कार चालक शिवा पुत्र विनोद, मिनी पत्नी राजेंद्र, मोहिनी पत्नी मोहिंदर, पीयूष पुत्र मोहिंदर, राजेंद्र पुत्र जगन्नाथ अंजू पत्नी सुनील शामिल हैं। हार्दिक पुत्र मोहिंदर घायल है।

मोबाइल चोरी की शिकायत...

उसके मोबाइल फोन पर खाते से 15 हजार रुपए कटने का मैसेज आया। इस पर उसने अपने मकान मालिक लोकेश व अभिषेक से पूछा कि अगर उन्होंने उसका मोबाइल फोन लिया है तो वापस कर दें। इस बात पर दोनों ने उसके साथ गाली गलौज की।

पीड़िता के मुताबिक उसने लोकेश की पत्नी से भी इस बात की शिकायत की। इस पर किरण, कविता, अरविंद कुमार आदि ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। मारपीट में उसका सिर फट गया और काफी चोटें आई। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

बोर्ड में पेश होगा....

का निधन हो गया हो उसका शेयर बेटे/बेटी के नाम होना है और इत्फाक से यदि उसके इकालौते बेटे/बेटी का निधन हो जाता है। तजो उसका शेयर उसके बेटे /बेटी यानी पोते /पोती के नाम होता है तो नोएडा प्राधिकरण का औद्योगिक विभाग अब उसके लिए चार्जेज लेने लगा है। ये पूरी तरह से अनुचित है। एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन ने मांग की है कि इस पॉलिसी को हटाया जाए ताकि दादा/दादी का शेयर सीधे पोत्र या पौत्री के नाम हो सके। क्योंकि ये संबंध ब्लड रिलेशन में आते है।

झपटमारी करने वाले चार बदमाश पकड़े

नोएडा (चेतना मंच)। लूट की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर मोबाइल झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले चार शातिर बदमाशों को थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो बाइक, तमंचा, अलग-अलग स्थान से छीने गए आठ मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी सर्वेश सिंह ने बताया कि पुलिस टीम बेकसन अस्पताल के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान दो बाइक पर आ रहे चार लोगों को पुलिस टीम ने रोकने का इशारा किया पुलिस को देखकर दोनों बाइक सवारों ने अपनी बाईकों को मोड़कर भागने का प्रयास किया। हड़बड़ी में दोनों बाइक आपस में टकरा गई और उसे पर सवार लोग सड़क पर गिर गए इसके बाद पुलिस टीम ने उन्हें दबोच लिया तलाशी में उनके पास से तमंचा कारतूस व 8 मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम अंशु कुमार सौरभ जीतू व प्रदीप यादव बताया। थाना प्रभारी के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों ने झपटमारी की दर्जनों वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर इन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

चचेरे ससुर व साथियों पर अपहरण का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 में एक युवक ने अपने चचेरे ससुर व उसके साथियों के खिलाफ जान से मारने की मंशा से अपहरण कर गाली-गलौज गंभीर चोट पहुंचाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। यह मुकदमा न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। ग्राम अगाहपुर निवासी सिद्धार्थ कुमार ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताएं कि उसकी शादी 6 दिसंबर 2024 को हबीबपुर निवासी एक युवती के साथ हुई थी शादी के बाद उसकी पत्नी अपने चाचा संजय पुत्र पिल्लू राम के अनुचित प्रभाव में चल रही थी। सिद्धार्थ कुमार ने प्रार्थना पत्र में बताया कि संजय ने उसे फोन कर परिवार से अलग रहने को कहा इस पर उसने अपने माता-पिता से अलग रहने से इनकार कर दिया। उसके इनकार करने पर संजय ने उसे गंदी-गंदी गालियां दी और बात ना मानने पर गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी 16 जून को वह अपने चचेरे भाई सनी के साथ अपनी ससुराल हबीबपुर गया था यहां संजय एवं साहिल ने उसके गाड़ी को जबरन रुकवा कर मारपीट शुरू कर दी इसके बाद उन्होंने अपहरण कर उन्हें कमरे में ले जाकर बंद कर दिया जहां पहले से ही कुछ और लोग मौजूद थे संजय साहिल वह अन्य अज्ञात लोगों ने उनके साथ लाठी डंडों से मारपीट की जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई शोर श्रवण सुनकर मौके पर कुछ राहगीर आ गए इस कारण उन लोगों की जान बच पाई। उसने इसकी सूचना थाना ईकोटेक 3 पुलिस को दी लेकिन पुलिस ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की पीड़ित के मुताबिक मारपीट की घटना में उसे गंभीर चोट आई तथा कान का पर्दा फट गया। न्यायालय ने सनी के बाद थाना ईकोटेकिन पुलिस को आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए।

मोजर बेयर कंपनी से लाखों का सामान चुराने वाला गिरोह पकड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित मोजर बेयर की बंद पड़ी फैक्ट्री से लाखों रुपए मूल्य का कॉपर व अन्य सामान चोरी करने के आरोप में पुलिस ने 7 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिंद्रा पिकप बोलेरो तथा इनोवा कार में चोरी का सामान भरकर ले जा रहे थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर इन्हें दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों में कंपनी का एक पूर्व गार्ड भी शामिल है।

थाना प्रभारी ने बताया कि बीती रात्रि पुलिस टीम गामा-2 गोल चक्कर पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि मोजर बेयर की बंद पड़ी फैक्ट्री से कॉपर आदि का सामान चोरी करने वाले बदमाश सामान को महिंद्रा पिकअप व इनोवा कार में लादकर बेचने के लिए जाने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एलजी गोल चक्कर की तरफ से आ रही महिंद्रा पिकप बोलेरो इनोवा कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर दोनों वाहनों के चालकों ने अपने वाहनों को मोड़कर भगाने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रुकवा लिया। महिंद्रा पिकअप में बैठे दो युवकों ने अपने नाम गणेश पटेल पुत्र कांजी पटेल वी इनामुल्लाह पुत्र मोहम्मद हुसैन बताया। जबकि इनोवा कार में बैठे युवकों ने अपने नाम बबलू पुत्र इस्लाम खान रहमत अली पुत्र लियाकत अली शारतुल्लाह पुत्र हिदायतुल्लाह सलामुल्लाह पुत्र शमशाद व योगेश पुत्र राजवीर बताया। दोनों वाहनों की तलाशी लेने पर उसमें से व्हाइट कॉपर की करीब 589 किलोग्राम पट्टी बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह सामान मोजर बेयर फैक्ट्री से चोरी किया है। इस फैक्ट्री में बदायूं निवासी योगेश पुत्र राजवीर पूर्व में गार्ड की नौकरी करता था उसी ने उन्हें फैक्ट्री की भौगोलिक स्थिति तथा सामान की जानकारी दी थी।

सामान चोरी करने के पश्चात वह इसे बेचने के लिए जा रहे थे। आरोपियों ने बताया कि वह इनोवा कार में बैठकर चलते हैं तथा पिकअप में चोरी का सामान लादकर मौके से फरार हो जाते हैं। चोरी की घटना में प्रयुक्त दोनों वाहनों को सीज कर दिया गया है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

दंपति को दी जान से मारने की धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। निर्माणाधीन मकान का प्लास्टर करने के दौरान प्लास्टर का मसाला गिरने पर पड़ोसियों ने दंपति के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित महिला ने थाना बादलपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। बादलपुर क्षेत्र में रहने वाली ज्योति शर्मा ने बताया कि उनके मकान में चिनाई का काम चल रहा है। दीवार का प्लास्टर करने के दौरान कुछ मसाला पड़ोस में रहने वाले आकाश देव के घर में गिर गया। इस बात पर आकाश देव उसके भाई गौरव देव, बहन नेहा व मां नेमवती ने उनके साथ गाली-गलौज की। उन्होंने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें तथा उनके पति को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि आरोपी उनके घर में काम करने वाले मिस्त्री के साथ भी अक्सर गाली गलौज करते हैं। पड़ोसी की इन्हीं हरकतों के कारण वह पूर्व में भी कई बार इनके खिलाफ शिकायतें दर्ज करवा चुकी हैं इसके बावजूद भी वह उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

खास खबर

छत्तीसगढ़ में 2024 में 290 नक्सली मार गिराए, 881 सरेंडर, 1090 गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया- साल 2024 में छत्तीसगढ़ के अंदर भाजपा की सरकार आई और नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज हुआ। साल 2024 में सबसे ज्यादा 290 नक्सलियों को मार गिराया। 881 नक्सलियों ने सरेंडर किया और 1090 गिरफ्तार हुए। गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नक्सलमुक्त भारत: पीएम मोदी के नेतृत्व में लाल आतंक का अंत पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए देश में चलाए जा रहे इस अभियान पर अपडेट दिया। गृह मंत्री ने बताया, साल 2024 में छत्तीसगढ़ के अंदर 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज करने का काम एक साल के अंदर किया गया है। ये जो वामपंथी भाई नक्सलियों के बचाव में खड़े होते हैं और कहते हैं कि इन लोगों को नहीं मारना चाहिए। मैं भी कहता हूं कि नहीं मारना चाहिए। लेकिन, जो 290 मारे गए, क्योंकि उनके हाथ में हथियार थे। 290 के सामने 1090 गिरफ्तार किए। जहां गिरफ्तारी संभव थी, वहां हमने गिरफ्तार भी किए हैं। इसके साथ ही 881 नक्सलियों ने सरेंडर भी किया है। 2025 के आंकड़ो को बताते हुए बोले- छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने का दूसरा साल, इसमें अब तक 270 नक्सलियों को मार गिराया गया। 680 गिरफ्तार किए गए हैं। आत्मसमर्पण का आंकड़ा देखिए 1225 लोगों ने सरेंडर किया है। भाजपा सरकार बनने के बाद इन सालों में न्यूट्रलाइज करने से सरेंडर करने वालों की संख्या कहीं अधिक है। गृह मंत्री बोले- सरकार का अप्रोच ये है कि हम पूरा प्रयास करते हैं, नक्सलियों को अरेस्ट करने का, सरेंडर करने का। एक अच्छी पॉलिसी भी लेकर आए हैं, लेकिन जब आप हाथ में हथियार लेकर भारत के निर्दोष नागरिकों को मारने को निकलते हो, तो सुरक्षा बलों के पास और कोई चारा नहीं होता। तब सुरक्षा बलों को गोली का जवाब गोली से ही देना होता है। अमित शाह ने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा- 31 मार्च 2026 तक यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। इस देश में नक्सलवादी समस्या क्यों पनपी, क्यों विकसित हुई, इसका वैचारिक पोषण किसने किया और जब तक भारतीय समाज इस थ्योरी का वैचारिक पोषण, कानूनी समर्थन और वित्तीय समर्थन करने वालों को समझ नहीं लेता है, तब तक नक्सलवाद के खिलाफ़ लड़ाई समाप्त नहीं होगी।

महाराष्ट्र सरकार बारिश से प्रभावित इलाकों में तत्काल राहत और पुनर्वास उपाय शुरू करे : पवार

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को महाराष्ट्र सरकार से राज्य के कई हिस्सों में मूसलधार बारिश से हुई तबाही का हवाला देते हुए व्यापक राहत और पुनर्वास उपायों को तत्काल लागू करने का आग्रह किया। पवार ने एक बयान में कहा कि 'पंचनामा' (क्षति आकलन) प्रक्रिया को कठोर समय-सीमाओं तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय पर आकलन पूरा करना अक्सर ऐसी अभूतपूर्व आपदाओं के दौरान असंभव होता है। उन्होंने कहा, बाद में स्पष्ट होने वाले नुकसान - जैसे कि संरचनात्मक क्षति के कारण मकानों का ढह जाना या बाढ़ का पानी उतरने के बाद फसलों और पशुओं का प्रभावित होना - के लिए भी मुआवजे पर विचार किया जाना चाहिए। राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्थिति विकट बनी हुई है। हजारों लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि तत्काल वित्तीय सहायता के अलावा सरकार को दीर्घकालिक पुनरुद्धार और पुनर्वास योजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस योजना में फसलों की पुन: बुवाई, बागों का जीर्णोद्धार, बंजर हो चुकी भूमि को पुन: उपजाऊ बनाने और सिंचाई के बुनियादी ढांचे जैसे बांध, नहरें, कुएं और पम्पिंग प्रणालियों की मरम्मत के लिए विशेष सहायता शामिल होनी चाहिए।

यूपी में निवेश कर उद्योग लगाएंगी रूस की कंपनियां, रोजगार के नए अवसर

बेंगलुरु, एजेंसी। रूस की कंपनियां उत्तर प्रदेश में उद्योग लगाएंगी। योगी सरकार में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी से रविवार को मुलाकात कर मास्को सरकार के निवेश और उद्योग नीति विभाग के मंत्री एवं अध्यक्ष अनातोली मिखाइलीविच की ओर से वहां आने आमंत्रण पत्र सौंपा गया। मास्को की कंपनियों के लिए योग्य भारतीय कर्मियों की भर्ती और प्रशिक्षण के लिए केंद्र स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। औद्योगिक विकास मंत्री ने देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए इच्छुक मास्को सरकार के प्रतिनिधियों का उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए हर संभव सहयोग का वादा किया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल निवेश और उद्योग नीति विभाग रूस (मास्को) की प्रतिनिधि इरीना पिंगोरिना एवं टेक्नोपोलिस मास्को के अधिकारिक भारतीय प्रतिनिधि अमरदीप सिंह शामिल रहे।

भारत में तेजी से बढ़ रहे कैंसर के मरीज, चीन-यूएस ने कर लिया कंट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बीते 33 सालों में कैंसर के मरीजों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। एक नए अध्ययन के मुताबिक 1990 से लेकर 2023 तक कैंसर के मरीजों मे 26 फीसदी का इजाफा देखा गया। 1990 में एक लाख की आबादी पर 84 कैंसर के पेशेंट थे जो कि 2023 में बढ़कर 107 हो गए। लैंसेट में पब्लिश अध्ययन के मुताबिक इलाज के ज्यादा साधन होने के बावजूद कैंसर से होने वाली मौतें भी 21 फीसदी बढ़ गई हैं। इन 33 सालों के दौरान अमेरिका और चीन में कैंसर और उससे होने वाली मौतों में अच्छी खासी कमी देखी गई है। इसके पीछे वजह तंबाकू उत्पादों पर कड़ाई से रोक, वैक्सिनेशन और संगठित तरीके से स्क्रीनिंग हैष एम्स दिल्ली में रेडिएशन-ऑन्कोलजिस्ट के मुताबिक भारत में तंबाकू का धड़ल्ले से इस्तेमाल, मोटापे और इन्फेक्शन की वजह से केस बढ़ रहे हैं। इसके अलावा कैंसर की शुरुआत में ही पहचान नहीं हो पाती है। उन्होंने कहा कि एचपीवी और हेपेटाइटिस-बी वैक्सिनेशन, मैमोग्राफी, फेफड़ों के कैंसर की स्क्रीनिंग, कोलोन्सकोपी स्क्रीनिंग और समय पर इलाज से कैंसर के रिस्क को कम किया जा सकता है। ऐसे में भारत में भी एक नीति बनाकर कैंसर के खिलाफ लड़ाई करनी जरुरी है। इस स्टडी की मुख्य लेखिका वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी की डॉ. लिजा फोर्स ने कहा, कैंसर की वजह से पूरी दुनिया की चिकित्सा व्यवस्था पर भारी बोझ है। उन्होंने कहा कि कैंसर से लड़ाई के लिए तुरंत एक्शन प्लान तैयार करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैंसर को हराने के लिए अभियान जरूरी हो गया है। इसके लिए अतिरिक्त फंडिंग की भी जरूरत है। इस अध्ययन के मुताबिक चीन में इन 33 सालों के दौरान कैंसर केसों में चीन में 19 फीसदी और अमेरिका में 20 फीसदी की कमी आई है। वहीं कैंसर से मरने वाले चीन में 43 फीसदी तो अमेरिका में 33 फीसदी कम हो गए हैं। दुनियाभर में कैंसर के पीछे सबसे बड़ा कारण तंबाकू उत्पादों के इस्तेमाल को बताया गया है। इसके अलावा गरीब देशों में असुरक्षित यौन संबंधों से भी कैंसर का खतरा बढ़ रहा है। संसदीय समिति की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत में तंबाकू उत्पादों पर टैक्स बढ़ाने से इसका इस्तेमाल भी कम हो सकता है। वहीं भारत में कैंसर का पता लोगों को बहुत देर में चलता है। संसदीय समिति ने कहा कि कैंसर की स्क्रीनिंग को जन आंदोलन की तरह आगे बढ़ाना चाहिए।

आई लव मोहम्मद स्लोगन से जीतनराम मांझी को आपत्ति, बोले- धर्म के पर प्रचार पर रोक नहीं लेकिन...

गया, एजेंसी। आई लव मोहम्मद स्लोगन पर मचे सियासी बवाल के बीच नरेंद्र मोदी सरकार के एमएसएमई मंत्री और पूर्व बिहार सीएम जीतनराम मांझी का बड़ा बयान आया है। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक मांझी ने इस पर आपत्ति जताई है। यूपी से शुरू इस विवाद पर बिहार में भी फसाद की स्थिति बन गई है। पूर्व सीएम ने इस पर रोक लगाने की अपील की है। आई लव मोहम्मद के बाद बिहार में आई लव शक्ति के पोस्टर लगाए गए। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गिरिराज सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। रविवार शाम गयाजी में मांझी ने का कि आई लव मोहम्मद के पोस्टर लगाए गए हैं उनसे सांप्रदायिकता की बू आती है। संविधान सबको अपने धर्म का प्रचार करने की इजाजत देता है। लेकिन, अगर इससे समाज या देश का नुकसान होने लगे तो गलत हो जाता है। अपनी बात कहते मांजी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि भगवान के पास पहुंचने के लिए अनेक रास्ते हैं। चाहे मोहम्मद हों, श्रीराम हों, श्रीकृष्ण हों या जो हों। लेकिन जहां सांप्रदायिकता की बू आती और उसके लिए किसी का नाम लिया जाता है तो सही नहीं है। आई लव मोम्मद की बात से कहीं न कहीं सांप्रदायिकता की बू आई है। इसके चलते विरोध हुआ है। आई लव मोहम्मद प्रकरण पर अररिया में भारी बवाल हुआ तो राजनीति भी उबल रही है। बीजेपी इसके विरोध में है तो ओवैसी की पार्टी समर्थन में है। किशनगंज में ओवैसी ने कहा कि इसमें गलत क्या है। मोहब्बत का विरोध किया जा रहा है तो मुगल-ए-आजम की तरह मोहब्बत जिंदाबाद का नारा बुलंद किया जाएगा।

राजस्थान: पोते ने दादी को चिमटे से मार डाला, हत्या के बाद मक्के के खेतों में छिपा

भीलवाड़ा, एजेंसी। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के पारोली थाना क्षेत्र के बागड़ा गांव में रविवार सुबह दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव के ही 28 वर्षीय युवक लाला राम माली ने अपनी ही दादी एजी देवी (60) की चिमटे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हत्या इतनी बेरहमी से की गई कि परिजन उन्हें खून से लथपथ हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी प्रभाती लाल मीणा के अनुसार, आरोपी लाला राम गांव में बने धार्मिक स्थान पर भोपा के रूप में पूजा-अर्चना करता था। रविवार सुबह भी वह सेवा पूजा कर रहा था। लगभग 8:30 बजे पूजा स्थल से सीधे घर लौटा और साथ में पूजा में इस्तेमाल होने वाला बड़ा लोहे का चिमटा लेकर आया। इसी चिमटे से उसने अपनी दादी पर कई वार किए। मृतका का बेटा कान्हा माली ने बताया कि उसकी मां उस समय चूल्हे पर खाना बना रही थी। तभी लाला राम अचानक घर में घुसा और चिमटे से सिर पर वार करने लगा। कान्हा ने रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी लगातार हमला करता रहा। एजी देवी गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़ीं। खून से लथपथ हालत में उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और गांव के पास मक्के के खेतों में जाकर छुप गया। सूचना पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और चार घंटे की तलाश के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से वारदात में इस्तेमाल चिमटा बरामद कर लिया है। फिलहाल हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लाला राम भोपा के रूप में पूजा-पाठ करता था और गांव वालों के बीच उसकी मानसिक स्थिति को लेकर कई तरह की चर्चाएं थीं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं पारिवारिक विवाद या मानसिक असंतुलन के चलते तो वारदात को अंजाम नहीं दिया गया। घटना के बाद गांव में दहशत और सनसनी का माहौल है। लोग हैरान हैं कि पूजा-पाठ करने वाला युवक इतनी नृशंस हत्या कैसे कर सकता है। परिजनों ने आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मृतका के बेटे की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि आखिर उसने अपनी ही दादी की जान क्यों ली। शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

यूपी में कानूनगो 30 करोड़ की संपत्ति का मालिक निकला, डीएम ने डिमोट कर लेखपाल बनाया

कानपुर, एजेंसी। यूपी के कानपुर में विवादित जमीनों की खरीद-फरोख्त और अभिलेखों की हेराफेरी में फंसा कानूनगो आलोक दुबे 30 करोड़ की संपत्ति का मालिक निकला। सहायक महानिरीक्षक निबंधन के इस खुलासे के बाद डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने उसे डिमोट कर लेखपाल बना दिया है। साथ ही उसकी सेवा पुस्तिका में परिनिन्दा प्रविष्टि दर्ज करने का आदेश दिया है। ग्राम कला का पुरवा रामपुर भीमसेन निवासी शिकायतकर्ता संदीप सिंह ने 2 दिसंबर 2024 को डीएम से शिकायत की थी। कहा- सिंहपुर कठार की गाटा 207 व रामपुर भीमसेन की गाटा 895 का वाद कोर्ट में चल रहा है। विक्रेता का नाम खतौनी में दर्ज न होने के बावजूद कानूनगो ने 11 मार्च 2024 को वरासत दर्ज कर उसी दिन बैनामा भी करा लिया। फिर 19 अक्टूबर 2024 को गाटा 207 को एक निजी कंपनी आरएनजी इंफ्रा को बेच दिया। समिति ने इसे पद का दुरुपयोग, मिलीभगत और हित-संघर्ष की श्रेणी में माना। 17 फरवरी 2025 को कानूनगो को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू की थी।

41 जमीनों का जांच में हुआ खुलासा ब्र कानपुर एडीएम न्यायिक, एसडीएम सदर और एसीपी कोतवाली की कमेटी की जांच में कानूनगो आलोक दुबे को दोषी माना। 6 मार्च को चार आरोपों का आरोपपत्र जारी हुआ, नोटिस-पत्र, जवाब, साक्ष्य-आह्वान और 21 अगस्त को व्यक्तिगत सुनवाई तक पूरी प्रक्रिया चली। इस मामले में संदीप की तहरीर पर थाना कोतवाली में 25 मार्च को कानूनगो और लेखपाल के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था। इसके बाद दोनों ही लोग अरेस्टिंग स्टे ले आए थे। इसी मामले में लेखपाल अरुणा द्विवेदी को भी निलंबित किया जा चुका है। उसकी जांच तहसीलदार सदर ने की और उन्हें दोषी पाया। जल्द ही उस पर भी कार्रवाई हो सकती है। डीएम की ओर से कराई गई जांच के बाद सहायक महानिरीक्षक निबंधन की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है। आलोक के पास 8.62 हेक्टेयर करीब 30 करोड़ की लागत की 41 संपत्तियां मिली हैं। यह संपत्तियां आलोक दुबे, उसकी पत्नी और पुत्रों के अलावा अरुणा द्विवेदी नाम पर हैं।

पीएम मोदी भी तो चीन गए थे, सोनम वांगचुक पर पाकिस्तानी लिंक के आरोप पर भड़कीं पत्नी

लेह, एजेंसी। लद्दाख में हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराए गए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो ने उनपर लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि सरकार पिछले चार साल से उनपर नजर बनाए हुए थी। पाकिस्तानी लिंक के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सोनम वैज्ञानिक के तौर पर एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। चीन या पाकिस्तान जाने वाला हर शख्स आतंकी नहीं हो जाता है। गीतांजलि जे आंगमो भी एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। बीते दिनों लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर बैठे थे। उनकी सेहत बिगड़ी तो युवा सड़कों पर उतर आए और यह प्रदर्शन हिंसक हो गया। पुलिस के साथ झड़प में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई इमारतों को आग के हवाले कर दिया गया। इसके बाद वांगचुक को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें राजस्थान की जोधपुर जेल में रखा गया है। गीतांजलि ने कहा कि उनकी किसी अधिकारी ने नहीं सुनी और उन्हें लेकर चले गए। वांगचुक पर नेशनल सिक्योरिटी ऐक्ट लगाया गया है इसलिए उन्हें जल्द जमानत मिलने की भी संभावना नहीं है। उन्होंने दावा किया कि सरकार तो चार साल पहले ही वांगचुक के पीछे पड़ गई थी, जब उन्होंने लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी सूची की बात शुरू की थी। उन्होंने बताया कि चार साल पहले ही इंटेलिजेंस ब्यूरो का एक अधिकारी आया था और उसने धमकाते हुए कहा था कि उन्हें एनजीओ हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव लद्दाख को मिल रही कथित विदेशी फंडिंग की जानकारी देनी होगी। बता दें कि वांगचुक दो एनजीओ चलाते हैं। दूसरा एनजीओ लद्दाख के पिछड़े इलाकों में शिक्षा के लिए काम करता है। इसका नाम स्टूडेंट्स एजुकेशनल ऐंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) है। एसईसीएमओएल के पास पहले से ही विदशी फंडिंग का लाइसेंस था। हालांकि अब सरकार ने कार्रवाई करते हुए उनका लाइसेंस कैंसल कर दिया है। वांगचुक की पत्नी ने कहा, पिछले चुनाव में उन्होंने खुद भी बीजेपी को ही वोट दिया था। हमें उम्मीद थीं कि वह हमारी मांग पूरी करेंगे और इसलिए सबने बीजेपी को वोट किया था। बिना विधानसभा या फिर छठी सूची के कोई भी केंद्र शासित प्रदेश सुरक्षित नहीं रहता है। गीतांजलि ने कहा कि पुलिस अधिकारी अगर वांगचुक के पाकिस्तान से लिंक होने की बात कर रहे हैं तो यह गृह मंत्रालय की बड़ी असफलता है। उन्होंने कहा कि वांगचुक एक वैज्ञानिक के तौर पर पाकिस्तान गए थे। और अगर यहां पाकिस्तान के एजेंट घूम रहे हैं और फिर भी एजेंसियां उन्हें पकड़ नहीं पा रही हैं तो यह उनकी असफलता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन जाते हैं और शी जिनपिंग से हाथ मिलाते हैं। उन्होंने मोहम्मद यूनुस से हाथ मिलाया। चीन जाने वाले हर शख्स को आतंकवादी नहीं कहा जा सकता।

अक्टूबर में खुल जाएगा दिल्ली का चिड़ियाघर, लेकिन सिर्फ इस शर्त पर, समझिए

दिल्ली, एजेंसी। अगर आप दिल्ली जू घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। दिल्ली चिड़ियाघर ने अगले महीने यानी अक्टूबर में इसे खोलने जा रही है, लेकिन उससे पहले अगर बर्ड फ्लू के सभी सैंपल नेगेटिव नहीं आए तो इसे बंद भी रखा जा सकता है। बता दें कि दिल्ली का जू पिछले एक महीने से बंद है। पक्षियों की मौत के बाद 30 अगस्त को चिड़ियाघर बंद कर दिया गया था, जिसमें आखिरी पॉजिटिव नमूना 1 सितंबर को आया था।

चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार ने कहा कि तब से बेतरतीब ढंग से नमूने लिए गए हैं, और अब तक के सभी परिणाम नेगेटिव आए हैं। उन्होंने बताया, 1 सितंबर की रिपोर्ट के बाद, बर्ड फ्लू के लिए लिए गए सभी बाद के नमूने नेगेटिव पाए गए हैं। हम 1 अक्टूबर के आसपास अगला बैच भेजेंगे, जो आखिरी पॉजिटिव रिपोर्ट के लगभग एक महीने बाद होगा। परिणामों के आधार पर, हम चिड़ियाघर को फिर से खोलने पर विचार कर सकते हैं।

संजीत कुमार ने कहा कि नमूनों का अगला बैच पक्षीशाला और अलग-अलग बाड़ों दोनों से इकट्ठा किया जाएगा और भोपाल में नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज को भेजा जाएगा। उन्होंने आगे कहा, अगर परिणाम नेगेटिव आते हैं, तो हम चिड़ियाघर को काफी जल्दी फिर से खोलने पर विचार कर सकते हैं। हम संबंधित अधिकारियों से संपर्क करेंगे, और जरूरी मंजूरी मिलने में एक से दो दिन से ज्यादा नहीं लगना चाहिए।

यह सुनिश्चित करने के लिए, 28 से 31 अगस्त के बीच चिड़ियाघर में कम से कम 12 पक्षियों की मौत हुई थी। इनमें से चार नमूनों में एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई थी। मरे हुए पक्षियों में छह पेंटेड स्टॉर्क और पक्षीशाला में पाए गए दो ब्लैक-हेडेड आइबिस शामिल थे, साथ ही चिड़ियाघर के तालाबों में मरने वाले चार प्रवासी पेंटेड स्टॉर्क भी थे। हाल के वर्षों में बर्ड फ्लू के कारण यह तीसरी बार चिड़ियाघर बंद हुआ है। इससे पहले भी 2016 और 2021 में इसी तरह के प्रकोप के कारण चिड़ियाघर को बंद करना पड़ा था। 1 नवंबर, 1959 को उद्घाटन किए गए दिल्ली चिड़ियाघर में वर्तमान में जानवरों की 96 अलग-अलग प्रजातियां हैं।

हथियार डाल दें, गोली नहीं चलेगी; नक्सलियों से अमित शाह की दो टूक, संघर्ष विराम प्रस्ताव ठुकराया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नक्सलियों द्वारा दिए गए संघर्ष विराम के प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि अगर चरमपंथी हथियार डालकर आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है और सुरक्षा बल उन पर एक भी गोली नहीं चलाएंगे। शाह ने कहा, हाल ही में भ्रम फैलाने के लिए एक पत्र लिखा गया, जिसमें कहा गया कि अब तक जो कुछ हुआ है वह एक गलती है, युद्ध विराम घोषित किया जाना चाहिए और हम (नक्सली) आत्मसमर्पण करना चाहते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि कोई संघर्षविराम नहीं होगा। अगर आप आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, तो संघर्षविराम की कोई जरूरत नहीं है। हथियार डाल दें, एक भी गोली नहीं चलेगी।

उन्होंने कहा कि यदि नक्सली आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, तो उनके लिए लाभदायक पुनर्वास नीति के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा। 'नक्सल मुक्त भारत' पर आयोजित संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए शाह ने वामपंथी उग्रवाद को वैचारिक समर्थन देने के लिए वामपंथी दलों पर निशाना साधा और उनके इस तर्क को खारिज कर दिया कि विकास की कमी के कारण माओवादी हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि यह लाल आतंक के कारण ही था कि कई दशकों तक देश के कई हिस्सों में विकास नहीं हो सका।

शाह ने यह बात कुछ समय पहले भाकपा (माओवादियों) द्वारा की गई संघर्ष विराम की पेशकश के जवाब में कही। यह पेशकश सुरक्षा बलों द्वारा छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर चलाए गए ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट सहित कई शीर्ष नक्सलियों के सफाए के बाद की गई थी। मंत्री ने कहा कि ऐसे कई लोग हैं, जो मानते हैं कि नक्सलियों द्वारा की जा रही हत्याओं को रोकना ही भारत से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा, हालांकि यह सच नहीं है, क्योंकि भारत में नक्सलवाद इसलिए विकसित हुआ, क्योंकि इसकी विचारधारा को समाज के लोगों ने ही पोषित किया।

उन्होंने कहा, देश में नक्सल समस्या क्यों पैदा हुई, बढ़ी और विकसित हुई? किसने उन्हें वैचारिक समर्थन दिया? जब तक भारतीय समाज यह नहीं समझेगा, नक्सलवाद का विचार और समाज में वे लोग जिन्होंने वैचारिक समर्थन, कानूनी समर्थन और वित्तीय सहायता प्रदान की, तब तक नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई खत्म नहीं होगी। शाह ने कहा, हमें उन लोगों की पहचान करनी होगी और उन्हें समझना होगा जो नक्सल विचारधारा को पोषित करना जारी रखे हुए हैं। गृह मंत्री ने कहा कि देश 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

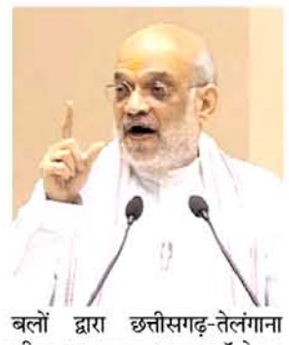

बेंगलुरु में पुलिस बनकर आए, जांच के नाम पर लूट लिए एक करोड़; असली ने धरा तो खुला गया राज

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु पुलिस ने एक सनसनीखेज लूट की घटना में तेज कार्रवाई करते हुए आठ लुटेरो को धर दबोचा है। इनके कब्जे से लूटे गए 1.1 करोड़ रुपये भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, राजस्थान निवासी मोतराम (45) और उनकी पत्नी लक्ष्मी देवी शनिवार शाम को कार से हुलिमावू इलाके में पहुंचे थे। वे यहां टुमकुरु के सुपारी कारोबारी हेमंत को पैसे देने आए थे। तभी दो संदिग्ध व्यक्ति उनके पास आ धमके और खुद को पुलिसकर्मी बताकर पूछताछ शुरू कर दी।

आरोपियों ने दावा किया कि उन्हें जांच के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग करनी है। एक ने कार, हेमंत, दंपती और पैसे के थैलों का वीडियो बना लिया। जब पीड़ितों ने विरोध किया तो लुटेरों ने हेमंत और महिला पर हमला बोल दिया तथा नकदी के बैग छीनने की कोशिश की। डरकर दंपति ने कार लॉक कर ली और मौके से भाग निकले, लेकिन दोनों आरोपी बाइक पर उनका पीछा करते हुए उन्हें रोक लिया। इस दौरान उन्होंने जानबूझकर कार के पिछले हिस्से से ठोकर भी मारी। घबराहट में मोतराम ने यू-टर्न लिया और एक सुनसान प्लॉट के पास वाहन खड़ी कर दिया। फिर दोनों बदमाशों ने हेमंत और मोतराम को जबरन कार से घसीटकर बाहर निकाल लिया, जबकि लक्ष्मी देवी पैसे के थैलों को सीने से लगाए कार में ही छिपी रहीं। इसी बीच एक ने दोबारा हेमंत पर प्रहार किया। तभी वहां तीन-चार और साथी आ गए। लुटेरों ने हेमंत और राजस्थानी दंपती को जबरन खाली प्लॉट पर बने एक शेड में घसीट लिया। उन्होंने पीड़ितों के मोबाइल फोन छीन लिए और धमकी दी कि 10 लाख रुपये न दिए तो नहीं छोड़ेंगे। इनकार पर बदमाशों ने करीब दो घंटे तक सभी को बंधक बनाए रखा। आखिरकार गैंग ने 1.01 करोड़ रुपये लूट लिए, साथ ही उनकी कारें और फोन भी ले लिए। वहीं, वारदात की सूचना मिलते ही हेमंत और दंपति ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। तुरंत मौके पर पहुंची पुलिस ने सख्ती से छापेमारी की और आठों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। लूटी गई नकदी के अलावा कारें-बाइकें भी बरामद हो गईं। गिरफ्तार बदमाशों में नरसिम्हा (34), जीवन (27), किशोर (30), वेंकटराजू (28), चंदिरन (33), कुमार (36), रवि किरण (33) और नमन (18) शामिल हैं। इनमें से किशोर और वेंकटराजू पहले से हत्या व लूट के अलग-अलग मामलों में फरार थे।

ट्रैवल फोटोग्राफी

कैमरे में कैद करो संसार

एक तस्वीर बहुत कुछ बयां कर सकती है। वह आपको चकित या आनंदित कर सकती है। यही नहीं, अगर तस्वीर खींचने वाला यानी फोटोग्राफर कल्पनाशील और क्रिएटिव हो, उसके पास एस्थेटिक सेंस हो, तो वह संसार में मौजूद कई अद्भुत चीजों को कैमरे में कैद कर सकता है। फोटोग्राफी के ही कई स्वरूपों में से एक है ट्रैवल फोटोग्राफी।

जिन युवाओं को नौ से पांच ड्यूटी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने में आनंद आता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है। आज युवाओं को यह प्रोफेशन काफी अपील कर रहा है।

क्या है ट्रैवल फोटोग्राफी?

यह फोटोग्राफी का ही एक अंग है, जिसमें किसी खास क्षेत्र के लैंडस्केप, आबादी, संस्कृति, रीति-रिवाज या इतिहास का डॉक्यूमेंटेशन होता है। एक ट्रैवल फोटो वह इमेज होती है, जिसमें हम किसी स्थान या समय की अनुभूति करते हैं, जो किसी इलाके के लोगों, वहां की संस्कृति या प्राकृतिक सौंदर्य से हमारा परिचय कराती है।

एक ट्रैवल फोटोग्राफर देश-दुनिया की सैर कर, अलग-अलग प्रकार की तस्वीरें खींचता है और फिर उन्हें ट्रैवल बुक पब्लिशर्स, पोस्टकार्ड कंपनीज, मैग्जीन्स, होटल्स, न्यूजपेपर्स, वेबसाइट्स आदि को बेचता है। वह प्रोफेशनल या एमेच्योर दोनों हो सकता है।

पर्सनल स्किल्स

तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक कामयाब ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए ट्रैवलिंग के साथ-साथ फोटोग्राफी का भी पैशन होना चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिए कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। आप फील्ड से जुड़ी जितनी जानकारी रखेंगे, उतना बेहतर रहेगा।

इंडस्ट्री में आज जिस तरह की प्रतिस्पर्धा है, बुक्स, मैग्जींस, न्यूजपेपर्स से लेकर ऑनलाइन पोर्टल्स पर विभिन्न फोटोग्राफर्स की उम्दा तस्वीरें देखने को मिलती हैं, उसके मद्देनजर जब आपका भी काम स्तरीय होगा, तो लोग खुद ही अप्रोच करेंगे। इसलिए काम में परफेक्शन और यूनीकनेस बेहद जरूरी है।

इन पर भी दें ध्यान

ट्रैवल फोटोग्राफर बनने के लिए आपके पास सबसे पहले एक अच्छा डिजिटल कैमरा होना जरूरी है। इसके अलावा, लाइटिंग की समझ होनी चाहिए। रोशनी के साथ चलने और चीजों को देखने की नजर होनी चाहिए। अगर अपना पोर्टफोलियो और वेबसाइट होगा, तो प्रोफेशनल ग्रोथ मिलने में आसानी होगी। कुल मिलाकर आप जितने क्रिएटिव और टेक्निकली साउंड होंगे, विजुअल्स और कलर में दिलचस्पी रखेंगे, आपका काम उतना ही निखरकर सामने आएगा। एक ट्रैवल फोटोग्राफर को अलग-अलग जगहों की संस्कृति और परंपरा की जानकारी होना जरूरी है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

आप हायर सेकंडरी या ग्रेजुएशन के बाद फोटोग्राफी से रिलेटेड कोर्स कर सकते हैं। भारत में कई इंस्टीट्यूट्स फोटोग्राफी और ट्रैवल फोटोग्राफी में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स कराते हैं। आप चाहें, तो ऑनलाइन रिसर्च करके भी इसके बारे में जरूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कई इंस्ट्रक्शनल वीडियोज मौजूद हैं, जिन्हें फॉलो कर फोटोग्राफी की बारीकियां सीखी जा सकती हैं।

बहुत है स्कोप

ट्रैवल फोटोग्राफर्स किसी ऑर्गेनाइजेशन के साथ जुड़कर या फ्रीलांसिंग कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। अगर आपके पास प्रभावशाली राइटिंग स्किल भी है, तो फोटोग्राफी के साथ-साथ ट्रैवल राइटिंग में भी हाथ आजमा सकते हैं। नेशनल ज्योग्राफिक और आउटलुक ट्रैवलर्स में हमेशा क्वॉलिटी प्रोफेशनल्स की डिमांड रहती है। इसके अलावा, किसी स्टूडियो में या सीनियर फोटोग्राफर के असिस्टेंट के रूप में भी आप काम शुरू कर सकते हैं।

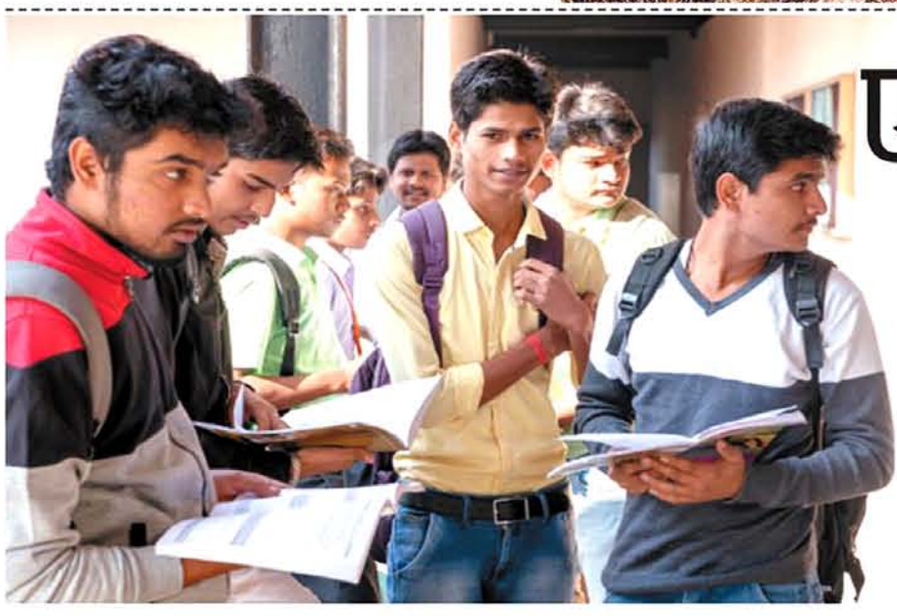

एडमिशन से पहले करें यह होमवर्क

एडमिशन के लिए अच्छे कॉलेज का चयन करना हर स्टूडेंट के सामने एक कड़ी चुनौती होती है। अगर इस मोड़ पर कोई गलती हो गई, तो पूरा करियर इस गलती की सजा भुगत सकता है। अतः यहां कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसे आप एडमिशन से पहले का 'होमवर्क' भी कह सकते हैं।

स्टूडेंट को स्वयं को परखना चाहिए कि वह कहां खड़ा है, उसकी पढ़ाई का क्या बैकग्राउंड है। इसके लिए संस्थानों की वेबसाइट देखकर एडमिशन का विवरण समझ लें। फिर स्वयं संस्थान में जाकर पड़ताल करें। प्रत्येक संस्थान के एडमिशन के क्राइटेरिया अलग-अलग होते हैं। उसी आधार पर स्वयं का आकलन कर संस्थान का चयन करें। संस्थान चयन में यह सतर्कता आपकी राह आसान करेगी।

चयन का फॉर्मूला

किसी भी संस्थान में प्रवेश लेने से पूर्व संस्थान की संबद्धता, मान्यता, मैनेजमेंट, फैकल्टी और वहां पढ़ रहे स्टूडेंट्स से मिलकर वहां के नियम-कायदे को जानना ठीक रहता है। संस्थान चयन में विज्ञापन के मायाजाल से बचने के लिए स्वयं वहां जाकर उसकी गुणवत्ता को परखें और विशेषज्ञ से सलाह-मशविरा जरूर करें। अगर आप इस तरह की जांच-पड़ताल करते हैं, तो आप बेहतर संस्थान के काफी करीब पहुंच सकते हैं।

जानें मान्यता

आप जिस भी संस्थान में पढ़ाई करने का निर्णय करने जा रहे हैं, उससे पहले बेहतर होगा कि आप जान लें कि उस संस्थान की मान्यता है भी कि नहीं। अगर है, तो संस्थान की संबद्धता किस आधार पर है। जिस आधार पर मान्यता मिली है, उसकी कसौटी पर वह कितना खरा है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो गुमराह होने की संभावना कम हो सकती है।

फैकल्टी है अहम

किसी भी संस्थान की फैकल्टी का रोल अहम होता है। यदि फैकल्टी अच्छी है, तो भविष्य भी बेहतर होने के चांसेज बढ़ जाते हैं। इसलिए फैकल्टी को पहली प्राथमिकता देते हुए संस्थान को वरीयता क्रम में फर्स्ट चॉइस में रखें। करियर की दृष्टि से यह जानना महत्वपूर्ण है कि टीचर का बैकग्राउंड क्या है, अर्थात वह किस संस्थान से पास-आउट है। यह सब जानकारी उस संस्थान में पढ़ रहे सीनियर्स से बेहतर कोई नहीं दे पाएगा।

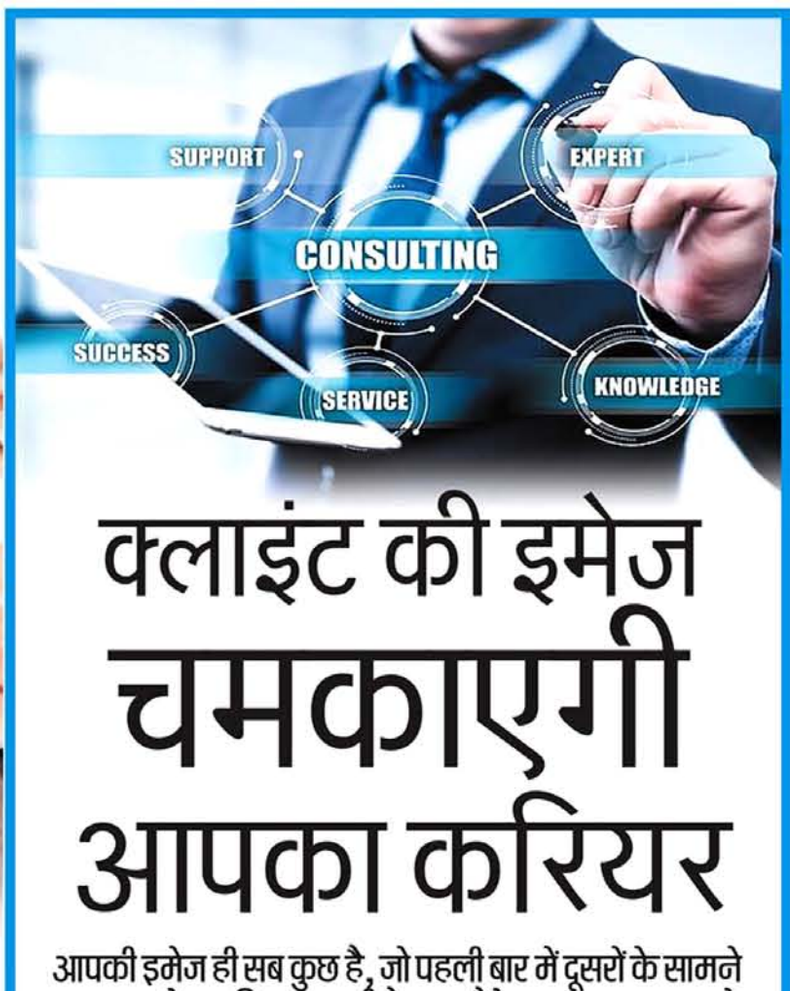

क्लाइंट की इमेज चमकाएगी आपका करियर

आपकी इमेज ही सब कुछ है, जो पहली बार में दूसरों के सामने आपका इंप्रेशन क्रिएट करती है। हर मौके पर आप हर तरह से परफेक्ट और स्पेशल दिखें, इमेज कंसल्टेंट इसी में आपकी मदद करता है। सेलिब्रिटीज, कॉर्पोरेट्स आदि को इसकी खास जरूरत पड़ती है। आप इससे संबंधित कोर्स और ट्रेनिंग के बाद आसानी से इमेज कंसल्टेंट बन सकते हैं।

क्या है काम?

इमेज कंसल्टेंट ही इस बात का ध्यान रखता है कि किस अवसर पर किसी सेलिब्रिटी को किस तरह की ड्रेस पहननी है। साथ ही, वह ड्रेस की स्टाइल और कलर, हेयर स्टाइल और एक्सेसरीज भी सिलेक्ट करता है। इमेज कंसल्टेंट को फैशन स्टाइलिस्ट और वॉर्डरोब मैनेजर के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि वह अपने क्लाइंट के लिए हर खास मौके का वॉर्डरोब भी मैनेज करता है। पब्लिक प्लेस में उसका क्लाइंट खुद को कैसे प्रस्तुत करता है, इसके लिए इमेज कंसल्टेंट कम्यूनिकेशन स्किल के साथ बॉडी लैंग्वेज पर भी नजर रखता है।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए डिग्री लेवल का कोई कोर्स नहीं है। कुछ संस्थान प्रोफेशनल या एडवांस्ड डिप्लोमा इन इमेज कंसल्टिंग और सर्टिफिकेट कोर्स कराते हैं। इसमें स्टाइल, बॉडी एंड कलर एनालिसिस, वॉर्डरोब मैनेजमेंट की जानकारी आदि दी जाती है। वहीं कुछ संस्थान इमेज कंसल्टेंट्स का सर्टिफिकेट लेवल का ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रोग्राम भी चलाते हैं।

चाहिए ये स्किल्स

इमेज कंसल्टेंट बनने के लिए लेटेस्ट फैशन की जानकारी, अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल के साथ-साथ मजबूत प्रेजेंटेशन स्किल होना चाहिए। मार्केटिंग और सेल्फ प्रमोशन के साथ अलग-अलग संस्कृतियों को पहचानने की स्किल भी होनी चाहिए ताकि कल्चर के अनुसार ही इमेज कंसल्टिंग की जा सके। क्लाइंट की बॉडी लैंग्वेज और कलर की साइकोलॉजिकल समझ के साथ उसकी लाइफस्टाइल के बारे में भी पता होना चाहिए ताकि आप उसे बेहतर लुक दे सकें और क्लाइंट भी कंफर्टेबल महसूस कर सके।

करियर स्कोप

एयरलाइंस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सफलता एम्प्लॉयीज की बेहतर इमेज पर निर्भर करती है क्योंकि इनके एम्प्लॉयीज यहां आने वाले लोगों से इंटरेक्शन करते हैं। ऐसे में एम्प्लॉयीज में बेहतर इंटरेक्शन स्किल विकसित करने के लिए इस इंडस्ट्री में इमेज कंसल्टेंट की मांग बढ़ी है। फैशन इंडस्ट्री में मॉडल्स और डिजाइनर्स के पर्सनल इमेज कंसल्टेंट के तौर पर भी अच्छी संभावनाएं हैं। गारमेंट रिटेल इंडस्ट्री भी इमेज कंसल्टेंट्स को नियुक्त कर रही है, जो फैशन बदलने पर कैसे गारमेंट्स खरीदने हैं, क्लाइंट्स को इसकी सलाह देते हैं। एचआर और रिक्रूटमेंट एजेंसी में भी काम कर सकते हैं, ताकि जॉब सीकर्स की एनालिसिस की जा सके और सोर्स कंपनीज को परफेक्ट एम्प्लॉयीज मिल सकें। आप प्राइवेट इमेज कंसल्टेंट, वॉर्डरोब मैनेजर और फैशन एडवाइजर के तौर पर भी जॉब कर सकते हैं।

सैलरी कितनी?

इमेज कंसल्टेंट की कोई तय सैलरी नहीं है। यह इमेज कंसल्टेंट के वर्क नेचर, अनुभव और क्लाइंट पर निर्भर करती है। खुद की फर्म शुरू करना बेहतर होता है क्योंकि इसके लिए आपको न तो बहुत ज्यादा इनवेस्टमेंट करने की जरूरत पड़ती है और न ही स्टाफ रखने की। आपको खुद ही क्लाइंट की काउंसलिंग करनी होती है। अगर आपके पास आवश्यक स्किल्स हैं, तो मार्केट डिमांड के अनुसार प्रति माह 15,000 से 20,000 रुपए आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इमेज कंसल्टिंग बिजनेस इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
इस्टीट्यूटी कैलगरी, मुंबई
फर्स्ट इम्प्रेशन, भुवनेश्वर
स्टर्लिंग स्टाइल एकेडमी, मुंबई
इमेज, स्टाइल एंड एटिकेट कंसलटेंट, गुड़गांव

बालिका वधू की लाडो के मेहंदी रचाने अमेरिकी से आईं ये आर्टिस्ट, लिखा- प्राउड मूमेंट

एक्ट्रेस अविका गौर की शादी से पहले के कार्यक्रम चल रहे हैं। कल मंगलवार 30 सितंबर को वे मिलिंद चांदवानी के साथ शादी के बंधन में बंधेंगी। अविका के हाथों पर मिलिंद के नाम की मेहंदी रचाने के लिए नामी आर्टिस्ट खासतौर से अमेरिका से आई हैं। सीरियल बालिका वधू फेम अविका गौर अब रियल लाइफ में दुल्हन बनने वाली हैं। वे अपने बॉयफ्रेंड मिलिंद चांदवानी के साथ शादी रचा रही हैं। 30 सितंबर को इनकी शादी है और प्री-वेडिंग फंक्शन शुरू हो चुके हैं। अविका रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में शादी कर रही हैं। एक्ट्रेस की हल्दी, संगीत और मेहंदी सेरेमनी भी इस शो के दौरान हुईं। दिलचस्प बात यह है कि नामी सेलिब्रिटी आर्टिस्ट ने अविका के हाथों पर शादी की मेहंदी रचाई है और इसके लिए वे खासतौर से अमेरिका से आईं।

मेहंदी आर्टिस्ट ने पोस्ट शेयर कर जताई खुशी

एक्ट्रेस अविका गौर के हाथों पर मेहंदी आर्टिस्ट वीना नागडा ने लगाई है। वीना सेलिब्रिटी मेहंदी आर्टिस्ट हैं। उन्होंने ही दीपिका पादुकोण के शादी की मेहंदी रचाई थी। इसके अलावा अंबानी परिवार की शादी के फंक्शन में भी वीना ने ही मेहंदी लगाई। अब अविका की शादी में मेहंदी लगाने वे खासतौर से अमेरिका से आईं। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी शेयर की है। वीना ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, आज मैंने बालिका वधू की लाडो अविका गौर को मेहंदी लगाई। मेरे जीवन का प्राउड मूमेंट था।

अविका की मेहंदी पर लिखा है ससुराल वालों का नाम

वीना ने आगे लिखा है, मैं अविका की मेहंदी के लिए खासतौर पर अमेरिका से आई हूं। भारतीय टेलीविजन शो पति पत्नी और पंगा में पहली बड़ी और रियल शादी हो रही है। भगवान का शुक्र है। कलर्स टीवी और पति पत्नी और पंगा शो का आभार है। कहा जा रहा है कि अविका गौर ने अपनी मेहंदी में न सिर्फ अपने होने वाले पति मिलिंद का नाम लिखवाया है, बल्कि अपने होने वाले सास-ससुर का नाम भी लिखवाया है।

संगीत और हल्दी सेरेमनी की वीडियो वायरल

अविका गौर के प्री-वेडिंग फंक्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपने संगीत फंक्शन में ब्लू कलर का लहंगा पहना। उन्होंने अपने मंगेतर मलिंद के साथ जमकर डांस किया है। इसके अलावा अविका की हल्दी सेरेमनी की वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। अविका के फैंस उन्हें दुल्हन के रूप में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कृति और शरवरी फैशन की दुनिया में नई स्टाइल आइकन बनकर उभरी

बॉलीवुड की दो सबसे प्रतिभाशाली युवा प्रतिभाओं, कृति शेट्टी और शरवरी ने हाल ही में एक हाई-प्रोफाइल ग्रीन कार्पेट इवेंट में अपने शानदार ड्रेस में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।दोनों ने अलग-अलग लेकिन बेहद आकर्षक लुक्स में शिरकत की, जो न केवल उनके व्यक्तित्व को दर्शाते थे बल्कि उनके फैशन सेंस की गहराई और समझ को भी उजागर करते थे। कृति और शरवरी ना सिर्फ़ फैशन की दुनिया में नई स्टाइल आइकन बनकर उभरी हैं, बल्कि वे अपने आप में भी कामयाब सितारे हैं, जो लगातार आगे बढ़ रही हैं और कम उम्र में ही फिल्म इंडस्ट्री में प्रभावशाली मुकाम बना चुकी हैं। इनका काम न सिर्फ आलोचकों को प्रभावित कर रहा है, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी खास जगह बना रहा है। इस इवेंट में उनकी मौजूदगी उनके इसी सफ़र की एक आत्मविश्वास भरी झलक थी। जहाँ कृति शेट्टी, जिन्हें अगली बॉलीवुड सेंसेशन कहा जा रहा है, उन्होंने अपने सौम्य और रोमांटिक अंदाज़ से शालीनता और नज़ाकत का जादू बिखेरा, वहीं शारवरी ने मॉडर्न और बोल्ड लुक के साथ एक कॉन्फिडेंट स्टाइल स्टेटमेंट पेश किया। उनके फ़ैशन विकल्पों ने दर्शाया कि कैसे स्टाइल व्यक्तित्व में गहराई से निहित हो सकता है, फिर भी सार्वभौमिक रूप से आकर्षक। कृति के लुक में फ्लोई सिलुएट्स और क्लासिक एलिगेंस थी, जो उनकी मासूमियत और स्वाभाविक खूबसूरती को उभार रहे थे। दूसरी ओर, शारवरी ने मिनिमलिस्ट लेकिन इम्पैक्टफुल फैशन को अपनाया सादगी में छुपी गरिमा और आत्मबल की परछाई। इन दोनों अभिनेत्रियों ने न सिर्फ़ आधुनिक फैशन की विविधता और ताक़त को प्रस्तुत किया, बल्कि यह भी दिखाया कि आज की युवा पीढ़ी आत्मविश्वास, प्रामाणिकता और आत्म-सम्मान के साथ कितनी आगे बढ़ रही है।

गजरे और पीली साड़ी में गजब दिखीं करिश्मा

हाल ही में बॉलीवुड की चर्चित एक्ट्रेस करिश्मा कपूर अपने एक्स हसबैंड संजय कपूर के असमय निधन के बाद वह काफी समय तक गहरे सदमे में नजर आई थीं। लंबे समय से करिश्मा मीडिया और पब्लिक अपीयरेंस से दूरी बनाए हुए थीं। वहीं अब पहली बार उन्हें सज-संवरकर पब्लिक प्लेस पर स्पॉट किया गया, जहां वो अपने लुक से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचती नजर आईं। एक्ट्रेस का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। संजय कपूर की मौत के बाद प्रॉपर्टी विवाद को लेकर करिश्मा कपूर का नाम बार-बार चर्चा में आया। वहीं सौतन प्रिया सचदेव के साथ चल रहे इस विवाद के बीच एक्ट्रेस का ये नया अवतार सामने आया है। दरअसल, हाल ही में करिश्मा कपूर एक पब्लिक इवेंट में पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने लुक से सभी को हैरान कर दिया। एक्ट्रेस ने इस दौरान पीले रंग की सुनहरी साड़ी पहनी, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और एलिगेंट लगीं। इस साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने सिल्वर हाई हील्स पेयर कीं। करिश्मा ने अपने बालों में गजरा लगाया था, जिसने उनके पारंपरिक लुक में चार चांद लगा दिए। वहीं उन्होंने लाइट मेकअप के साथ अपनी खूबसूरती को और भी निखारा। लंबे समय बाद इतने ग्लैमरस अंदाज में दिखीं करिश्मा को देखकर फैंस भी बेहद खुश नजर आए। इस दौरान करिश्मा कपूर ने पूरे आत्मविश्वास के साथ पैपराजी के सामने पोज़ दिए।

पारंपरिक साड़ी में तस्वीर शेयर कर दिल जीता राशि ने

सोशल मीडिया पर अभिनेत्री राशि खन्ना ने अपनी ताजा तस्वीरें साझा कर प्रशंसकों का दिल जीत लिया। हाल ही में जारी की गई तस्वीरों में राशि पारंपरिक साड़ी में बेहद आकर्षक नजर आ रही हैं। उन्होंने गोल्डन बॉर्डर वाली खूबसूरत साड़ी पहन रखी है, जिसे गहरे गुलाबी रंग के ब्लाउज के साथ कैरी किया गया है। ब्लाउज पर गोल्डन लाइन और बाजुओं पर बारीक कढ़ाई उनके लुक को और भी शाही बना रही है। अपने इस पारंपरिक अवतार को निखारने के लिए राशि ने मिनिमल मेकअप के साथ सादगी भरा जूड़ा बनाया है, जिसमें सफेद फूलों का गजरा सजाया गया है। वहीं गहनों के रूप में उन्होंने नाजुक नेकलेस, कानों में झुमके और हाथों में गोल्डन कंगन पहने हैं। यह अंदाज उनके लुक को और भी निखारता है। राशि ने तस्वीरें साझा करते हुए कैप्शन लिखा, साड़ी की नजाकत, दिल की,स्कान...कहना ही क्या। तस्वीरों में वह अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। कहीं वह दोनों हाथ पकड़कर कैमरे की ओर मुस्कुरा रही हैं, तो कहीं दीवार के सहारे खूबसूरत पोज दे रही हैं। उनकी सादगी और गरिमा से भरे इन पलों ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया है। प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी जमकर तारीफ की। किसी ने उन्हें खूबसूरती की मिसाल कहा तो किसी ने उनके इस पारंपरिक लुक को दिल जीतने वाला अंदाज बताया।

25 साल बाद चांदनी बार का सीक्वल होगा रिलीज, निर्माताओं ने की घोषणा

निर्देशक मधुर भंडारकर की फिल्म चांदनी बार 2001 में रिलीज हुई थी। आज निर्माताओं ने चांदनी बार के सीक्वल की घोषणा कर फैंस को उत्साहित कर दिया है। 2001 में रिलीज हुई अपराध ड्रामा फिल्म चांदनी बार का सीक्वल जल्द ही आएगा। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म चांदनी बार रिटर्न की रिलीज की भी घोषणा की है। चांदनी बार के सीक्वल को इसकी रिलीज के 25 साल पूरे होने पर रिलीज किया जाएगा।

निर्माताओं का पोस्ट

निर्माताओं ने आज चांदनी बार के सीक्वल की घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही संदीप सिंह ने सीक्वल की घोषणा करते हुए कैप्शन में लिखा, चांदनी बार की वापसी। इस फिल्म का निर्देशन अजय बहल करेंगे। अजय को सेक्शन375 और बीएपास जैसी दमदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म 3 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी, जो मूल क्लासिक की 25वीं वर्षगांठ के साथ मेल खाता है। इस फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर होगी। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल के बीच तक शुरू होने की उम्मीद है। मुख्य भूमिकाओं के लिए कास्टिंग जल्द ही तय की जाएगी। चांदनी बार वेश्यावृत्ति, डांस बार और बंदूक अपराध सहित मुंबई अंडरवर्ल्ड के कठिन जीवन को दर्शाती है। 2001 में रिलीज हुई इस फिल्म में तब्बू और अतुल कुलकर्णी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा फिल्म में अनन्या खरे, राजपाल यादव, मीनाक्षी सहानी और विशाल ठक्कर ने भी सहायक भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म को आलोचकों से काफी प्रशंसा मिली और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। वहीं अब इस फिल्म का सीक्वल आने वाला है, जो इस फिल्म की रिलीज के 25 साल पूरे होने पर रिलीज होगा।

द ताज स्टोरी में परेश रावल मुख्य भूमिका में, पोस्टर हुआ रिलीज

बालीवुड की अपकमिंग फिल्म द ताज स्टोरी में अभिनेता परेश रावल मुख्य भूमिका में नज़र आएंगे और विकास राधेश्याम क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में जुड़े हैं, ने ऐलान टीज़र से ही दर्शकों में जबरदस्त जिज्ञासा और चर्चा पैदा कर दी है। स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा की इस फिल्म को तुषार अमरीश गोयल ने लिखा और निर्देशित किया है। अब इस उत्सुकता को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने फिल्म का टीज़र पोस्टर लॉन्च कर दिया है, जिसमें परेश रावल की झलक दिखाई गई है। यह फिल्म राष्ट्र के सामने कुछ कच्चे और अनफ़िल्टर्ड सच लाने का वादा करती है। यह दर्शकों को दुनिया के सबसे प्रतीकात्मक स्मारक के रहस्यों की रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी। ताजमहल की संगमरमरी दीवारों और अनंत सुंदरता से परे एक ऐसी कहानी छुपी है जो रहस्य, इतिहास और अनुत्तरित सवालों से भरी हुई है।फिल्म यह सवाल भी उठाती है क्या यह सचमुच शाहजहाँ की रचना है, या इस अजूबे में ऐसे राज़ छुपे हैं जिन्हें इतिहास ने कभी उजागर नहीं किया?यह सिनेमाई खोज हमारी जानी-मानी मान्यताओं को चुनौती देने का साहस करती है। यह गाथा ड्रामा, गहराई और खोज के साथ सामने आएगी और यह तय है कि यह हमें दुनिया के सबसे महान प्रेम-प्रतीक को देखने का नज़रिया बदलने पर मजबूर कर देगी। परेश रावल के नेतृत्व में, फिल्म में जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास जैसे दमदार कलाकार नज़र आएंगे। द ताज स्टोरी को एक सशक्त सामाजिक ड्रामा के रूप में पेश किया जा रहा है, जो हमारे समय के सबसे उत्तेजक सवालों में से एक पूछता है आज़ादी के 79 साल बाद भी क्या हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? फिल्म का संगीत रोहित शर्मा और राहुल देव नाथ तैयार कर रहे हैं। यह केवल कोई पीरियड या ऐतिहासिक फिल्म नहीं है, बल्कि एक सिनेमैटिक बहस है। यह फिल्म विवादित आख्यान में गहराई से उतरती है, सामाजिक टिप्पणी को ऐतिहासिक तथ्यों की पुनर्व्याख्या के साथ जोड़ती है और यह सुनिश्चित करती है कि यह जितनी विचारोत्तेजक होगी, उतनी ही नाटकीय भी। द ताज स्टोरी 31 अक्टूबर 2025 को पूरे देश में भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ के लिए तैयार है।

तकनीक के दौर में पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा जरूरी: अदालत

दिग्गज एक्टर नागार्जुन अक्किनेनी के एक मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस तेजस करिया ने कहा कि तेजी से विकसित होती तकनीक के इस दौर में पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा बेहद जरूरी हो गई है। तेलुगु सिनेमा के मशहूर अभिनेता नागार्जुन अक्किनेनी ने अपने नाम, छवि और आवाज के अनाधिकृत इस्तेमाल को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। गुरुवार को अदालत ने इस मामले में एक अहम फैसला सुनाया और उनके पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा सुनिश्चित की है। नागार्जुन ने अपनी याचिका में कहा था कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन स्पेस पर उनकी पहचान का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसमें न केवल उनकी तस्वीरें और नाम का इस्तेमाल बिना अनुमति किए जाने की बात शामिल थी, बल्कि पोर्नोग्राफिक कंटेंट, अवैध मर्चेंडाइजिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बनाए गए वीडियो तक का जिक्र किया गया था। सुनवाई के दौरान जस्टिस तेजस करिया ने कहा कि तेजी से विकसित होती तकनीक के इस दौर में पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा बेहद जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि, जब किसी भी वेबसाइट या यूआरएल की पहचान हो सकती है, तो बेहतर यही होगा कि उन्हें हटाने का आदेश दिया जाए। फैसले के बाद नागार्जुन ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी और आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा- डिजिटल युग में मेरे व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने के लिए माननीय दिल्ली हाई कोर्ट का धन्यवाद। मेरी कानूनी टीम, खासकर सीनियर काउंसल वैभव गग्गर, प्रवीण आनंद, वैशाली, सोमदेव और विभव का आभारी हूं। बता दें, इससे पहले अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय जैसे सितारे भी अपनी तस्वीरों, आवाज और नाम के गलत इस्तेमाल के खिलाफ कानूनी कदम उठा चुके हैं।

डॉ. महेश शर्मा के जन्मदिन पर लगा बधाईयों का तांता

नोएडा (चेतना मंच)। अग्रवाल मित्र मंडल एवं भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार डॉ. महेश शर्मा को जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की और ईश्वर से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और जनसेवा की असीम ऊर्जा प्राप्त हो। इस अवसर पर अग्रवाल मित्र मंडल के पूर्व अध्यक्ष संजय कुमार गोयल, निवर्तमान अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, भूपेन्द्र मित्तल, केशव गंगल, भारत विकास परिषद नोएडा के अध्यक्ष देवेंद्र गंगल, राम रतन शर्मा, सहसचिव अक्षय पारीक, भाजपा युवा मोर्चा नोएडा के जिला महामंत्री तुषार गोयल इत्यादि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की टीम के द्वारा नोएडा के सेक्टर-27 में कैलाश सभागार में गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा को जन्म दिवस की शुभकामनाएँ दी गई।

इस मौके पर व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल संरक्षक विनय गर्ग कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल व अन्य टीम उपस्थित रही।

प्राधिकरण के 4 कर्मचारियों का हुआ विदाई समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के 4 कर्मचारियों का विदाई समारोह एसोसिएशन सेक्टर-6 में नोएडा एम्प्लॉयज एसोसिएशन द्वारा बहुत ही धूमधाम से आयोजित किया गया।

उधान चौधरी राजेन्द्र सिंह राजकुमार रमेश एव उधानकर्मी सेवाराम सहित कुल 4 कर्मचारीगण सेवानिवृत्त हुए। कार्यक्रम में एसोसिएशन पदाधिकारियों द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को प्राधिकरण की तरफ से सम्मानित किया गया।

एनईए अध्यक्ष चौ राजकुमार सिंह द्वारा समस्त सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

कार्यक्रम में एसोसिएशन अध्यक्ष चौ. राजकुमार सिंह, महासचिव जितेन्द्र कुमार उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा, वीरपाल सचिव नीरज राणा कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र सहित काफी अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सूर्पनखा की नाक काटने व राम-शबरी मिलाप का मंचन

- बजरंग रामलीला संचालिका समिति -

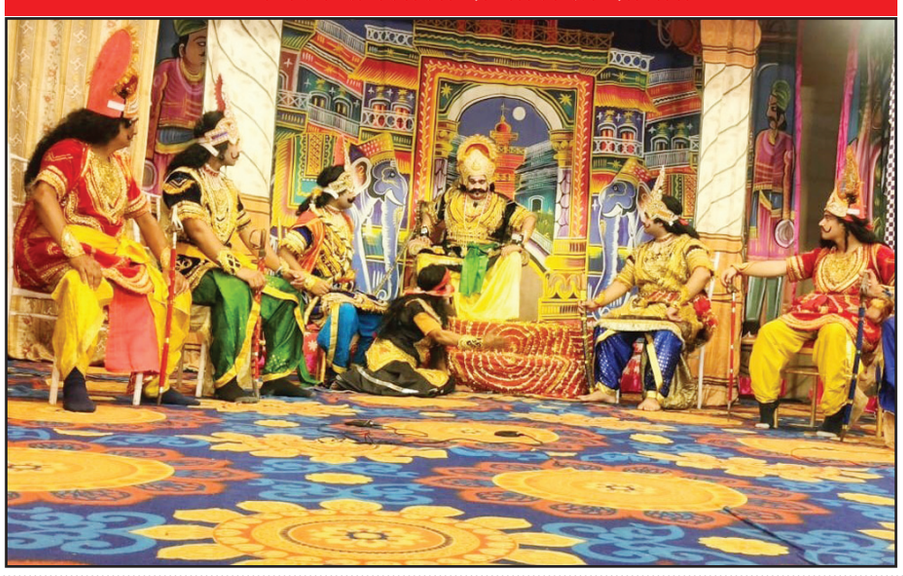

नोएडा (चेतना मंच)। बजरंग रामलीला संचालिका समिति सेक्टर-12 के मंच पर योगेश शर्मा चेतना केन्द्र व्यवस्थापक एवं एनसीआर ज़ोन प्रभारी और उनके समस्त साथी तथा सरदार जुगेन्द्र सिंह गांधी आदि गणमान्य व्यक्ति मंच पर उपस्थित हुए जिनके द्वारा आरती कर एवं दीप प्रज्वलित करने के उपरान्त राम लीला का शुभारंभ किया गया।

मंच पर रावण के दरबार में आकर लक्ष्मण द्वारा नाक काटने का वृत्तांत सुनाने, रावण द्वारा सीता हरण, रावण द्वारा जटायु वध, राम-लक्ष्मण द्वारा सीता की खोज करने, जटायु का दाह संस्कार करने, राम सवरी मिलाप कर राम द्वारा झूठे बेर खाने तक की लीला का मंचन किया गया।

नोएडा स्टेडियम में भव्य रामलीला का मंचन, दर्शक हुए भावविभोर

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के तत्वाधान में हरि भक्ति कला ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामलीला का भव्य मंचन नोएडा स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन ने न केवल दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि उन्हें आध्यात्मिक अनुभूति और सांस्कृतिक चेतना से भी जोड़ा।

रामलीला समिति के महासचिव संजय बाली ने बताया कि मंचन में विभीषण शरणागत, समुद्र से मार्ग की विनती, प्रभु राम का समुद्र के प्रति क्रोध, नल-नील द्वारा पुल निर्माण, जामवंत द्वारा रावण को रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग स्थापना का न्योता भेजना, अंगद-रावण संवाद, लक्ष्मण-मेघनाथ युद्ध और हनुमान जी द्वारा संजीवनी बूटी लाने की लीला जैसे महत्वपूर्ण प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। मंचन की शुरुआत विशाल शरणागति से हुई, तत्पश्चात श्री राम ने समुद्र से मार्ग खोलने की प्रार्थना की। जब समुद्र ने प्रार्थना को अनसुना किया, तो प्रभु राम ने क्रोधित होकर अग्निबाण का संधान किया, जिससे समुद्र क्षमा मांगने को मजबूर हुआ और नल-नील के द्वारा पुल का निर्माण हुआ। इसके बाद रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग की स्थापना के लिए जामवंत ने रावण को आमंत्रित किया। रावण माता सीता सहित पूजन के लिए आया और रामेश्वरम की स्थापना की।

मंचन के दौरान डॉ. टी.एन. गोविल, टी.एन. चौरसिया, अल्पेश गर्ग, केशव गंगल, डॉ. एस.पी. जैन, रामकुमार शर्मा, एन.पी. सिंह, रोहित श्रीवास्तव, एन.के. अग्रवाल, कुलदीप गोयल, लोकेश कश्यप, पी.के. गुप्ता, पुनीत शुक्ला, पुष्कर शर्मा, कुलभूषण बाली, प्रमोद रंगा, विकास तिवारी, आदित्य चौरसिया, मित्रा शर्मा, विपिन बंसल, अनिल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

हनुमान की भक्ति और लंका दहन की गूंज से राममय हुआ महर्षिनगर

नोएडा (चेतना मंच)। महर्षिनगर नोएडा सेक्टर-110 में आयोजित भव्य रामलीला मंचन में श्रीराम और हनुमान मिलन, सुग्रीव-बाली युद्ध, लंका दहन और अंगद-रावण संवाद के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। विशेष रूप से हनुमान जी के लंका दहन का दृश्य जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा, जिसने पूरे परिसर को राममय कर दिया। कलाकारों की सशक्त अदायगी और प्रामाणिक वेशभूषा ने रामायण की गाथा को सजीव कर दिया।

ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के पावन आशीर्वाद से आरंभ हुए इस रामलीला महोत्सव का शुभारंभ भगवान श्रीराम की मंगल आरती से हुआ।

उद्घोषित जय श्रीराम के नारों ने श्रद्धालुओं के उत्साह को चरम पर पहुँचा दिया।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष अजय प्रकाश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष राहुल भारद्वाज, कोषाध्यक्ष विनीत श्रीवास्तव, तथा समिति के पदाधिकारी—यादवेंद्र यादव, शिशिरकांत श्रीवास्तव, श्रीकांत ओझा, विनोद दीक्षित, दयाशंकर गुप्ता, लल्लन पाठक, गिरीश अग्निहोत्री, शिशुपाल यादव, एस.पी. गर्ग, विनोद श्रीवास्तव, राजेंद्र शुक्ला, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव और श्री दुर्गा पूजा एवं रामलीला महोत्सव संयोजक रामेंद्र सचान की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई।

- श्रीराम मित्र मण्डल रामलीला-

आज अंगद-रावण संवाद व कुंभकर्ण व मेघनाद का होगा बध

नोएडा (चेतना मंच)। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला मंचन के नवम दिन मुख्य अतिथि उत्तरप्रदेश के पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री हुलास राय सिंघल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर रामलीला का शुभारंभ किया गया।

श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस दौरान भव्य मंचन किया गया।

मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता ने बताया कि 1 अक्टूबर को अंगद-रावण संवाद, मेघनाद-लक्ष्मण युद्ध, लक्ष्मण मूर्छा, संजीवनी बूटी, कुंभकरण वध, मेघनाद वध आदि प्रसंगों का मंचन किया जायेगा।

इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेड़िया, चक्रपाणि गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, दयाशंकर तिवारी, तरुणराज,पवन गोयल, मुकेश गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, मुकेश अग्रवाल, अनंत वर्मा, राजेश माथुर, साहिल चौधरी, नवीन पोरवाल,बीके राय,रामकुमार शर्मा, दिनेश मित्तल,अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती, दीपक अग्रवाल, बाबूराम शर्मा सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

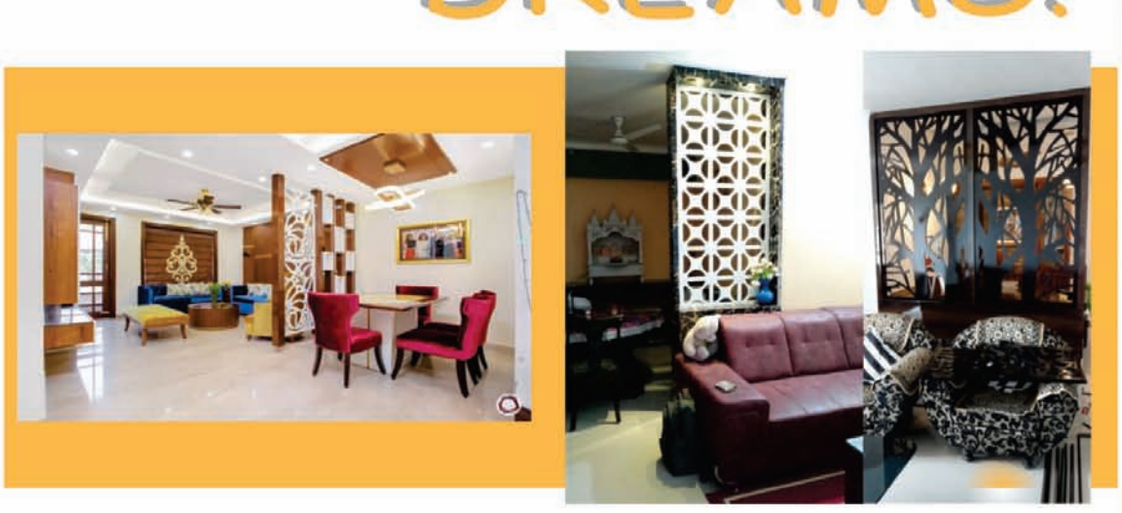

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com